mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-93 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
05 अप्रैल 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में भूकंप के तेज झटके

5.9 तीव्रता दर्ज; अफगानिस्तान का हिंदूकुश केंद्र था, वहां 8 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-NCR, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदूकुश था। अफगानिस्तान में भूकंप में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के थे, जिनकी मौत घर गिरने से हुई। भारत में फिलहाल नुकसान की खबर नहीं है। पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल में रात 9: 46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। घबराए लोग घरों से बाहर आ गए। भूकंप के दौरान घरों में पंखे और झूमर हिलने लगे। लोगों ने इसके वीडियो बना लिए। पठानकोट के भुल्ला चौक बाजार से घर में लटकाए तालों के हिलते का वीडियो सामने आया। ये वीडियो घर के मालिक अनमोल शर्मा ने बनाया। अभी नुकसान के बारे में कहीं से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई हैं।

दावा- राघव चड्ढा को केजरीवाल के घर मुर्गा बनाकर पीटा

हरियाणा आप पूर्व अध्यक्ष बोले- आंख पर चोट आई, इसका इलाज कराने इंग्लैंड गए सांसद

पंचकूला, एजेंसी। आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। हरियाणा से AAP के प्रदेश अध्यक्ष रहे नवीन जयहिंद ने,क्र नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयहिंद ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि राघव चड्ढा को दिल्ली में केजरीवाल के शीशमहल (सीएम हाउस) में बुलाकर मुर्गा बनाकर पीटा गया था। 4 नेताओं के सामने उनसे मारपीट हुई थी। जयहिंद ने यह भी कहा कि पिटाई में राघव की आंख पर चोट आई थी। इस चोट का इलाज कराने के लिए ही राघव इंग्लैंड गए थे। लोगों ने समझा कि राघव हनीमून मनाने के लिए इंग्लैंड गए हैं। राघव को सारे खुलासे खुलकर करने चाहिए। उधर, राघव चड्ढा ने भी उपनेता पद से हटाए जाने के बाद शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा था कि मुझे खामोश करवाया गया है, लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष की सर्वदलीय बैठक की मांग, खरगे ने रिजिजू को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' के लागू करने के तरीकों और रोडमैप पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। इस पत्र पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव समेत 10 से अधिक विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।

खरगे ने अपने पत्र में कहा कि उन्होंने 16 मार्च, 2026 को भी किरेन रिजिजू को लिखा था कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जल्द से जल्द एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सरकार अब सितंबर 2023 में पारित इस संविधान संशोधन में एक और संशोधन की योजना बना रही है। विपक्षी दलों ने इस प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए बैठक की मांग की है। खरगे ने कहा कि बैठक को अधिक उत्पादक बनाने के लिए सरकार को पहले एक नोट जारी करना चाहिए, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है। बैठक विधानसभा चुनावों का मौजूदा दौर पूरा होने के बाद 29 अप्रैल को आयोजित की जाए। इससे पहले 16 मार्च को रिजिजू ने खरगे को पत्र लिखकर कहा था कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे लागू करने के लिए राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया था और कांग्रेस नेतृत्व से विस्तृत बातचीत का आग्रह किया था। इसके जवाब में खरगे ने सर्वदलीय बैठक की मांग करते हुए कहा था कि यह कानून सितंबर 2023 में बिना किसी सहमति के पारित हुआ था और अब 30 महीने बाद सरकार इसके लागू करने के तरीकों पर चर्चा करना चाहती है। कांग्रेस का मानना है कि इस पर सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

ममता बनर्जी बोलीं- मालदा हिंसा में मुख्य आरोपी फरार, निर्दोषों को उठाया जा रहा

केरल में होम वोटिंग जारी, 100 साल की महिला ने मतदान किया

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई , एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा के मोथाबाड़ी में हुई हिंसा और न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में केंद्र एजेंसियों पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि असली आरोपी फरार हैं, जबकि एनआईए स्थानीय लोगों को परेशान कर रही है। निर्दोष युवाओं को उठाया जा रहा है।

मालदा में ही रैली के दौरान ममता ने कहा- कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि राजनीतिक प्रदर्शन से बचें। प्रभावित लोग ट्रिब्यूनल में आवेदन देकर नाम जुड़वाएं। भाजपा हिंसा भड़काना चाहती है और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करती है। इधर, चुनाव आयोग ने केरल के पलक्कड़ की तस्वीर शेयर की है। इसमें पलक्कड़ के कोंगड में 100 साल की महिला कुंचम्मा ने घर वोटिंग की। आयोग की टीम उनके घर पहुंची और होम वोटिंग सुविधा का लाभ दिया। राज्य में चलने में असमर्थ लोगों को घर से वोटिंग की सुविधा है।

केरल में सांसद शशि थरूर का काफिला रोका:ड्राइवर-गनमैन से हाथापाई

- **बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन से धक्का-मुक्की, टीएमसी कार्यकर्ताओं ने घेरा**

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। केरल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले को रोककर उनके गनमैन और ड्राइवर पर हमला किया गया। घटना शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे मल्लपुरम के वांडुर में हुई। पुलिस के मुताबिक थरूर सुरक्षित हैं।

घटना के समय थरूर चुनावी सभा के लिए तिरुवल्ली जा रहे थे। 5 आरोपियों में से एक को हिरासत में लिया गया है। हमले का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, पश्चिम बंगाल के बहरामपुर से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी से धक्का-मुक्की हुई। वे शनिवार सुबह बहरामपुर में जनसंपर्क कर रहे थे। घटना के वीडियो में नजर आ रहा है कि गली के मोड़ पर टीएमसी कार्यकर्ता मौजूद हैं। जब अधीर अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचते हैं तो टीएमसी कार्यकर्ता धक्का-मुक्की शुरु कर देते हैं। अधीर को भी धक्का लगता है। कांग्रेस का आरोप है कि वार्ड से टीएमसी पार्षद भीष्मदेव कर्मकार की मौजूदगी में घटना हुई है।

थरूर बोले- केरल में छ्रस्न की सरकार आएगी :कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि UDF केरल में अगली सरकार बनाने की राह पर है। मैंने देखा है कि UDF के पीछे माहौल बहुत जोश और एनर्जी से भरा हुआ है। UDF उम्मीदवारों के पक्ष में साफ ट्रेंड है।

राहुल बोले- मुझे राजनीति में 20 साल हुए, समझ और अनुभव बढ़ा

अलाप्पुझा , एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज केरल के अलाप्पुझा में हैं। उन्होंने कहा कि मैंने राजनीति में दो दशक से ज्यादा समय बिताया है। इससे मुझे कुछ अनुभव और समझ मिली है। एक बात जो मैंने देखी है और शायद आपने भी देखी होगी वह यह है कि जब कोई बहुत लंबे समय तक सत्ता में रहता है, तो क्या होता है। उन्होंने कहा कि चाहे वह कोई पंचायत अध्यक्ष हो, विधायक हो, मुख्यमंत्री हो या फिर प्रधानमंत्री ही क्यों न हो। लंबे समय तक सत्ता में रहने से गहरी भ्रांति पैदा हो सकती है। लोकतंत्र में नेता लोगों की वजह से ही सत्ता में आते हैं। वे समझते हैं कि सत्ता असल में लोगों की ही है और उन्हें तो बस इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राहुल ने कहा कि समय के साथ एक खतरनाक :बदलाव आ सकता है। नेताओं को यह लगने लगता है कि सत्ता लोगों से नहीं, बल्कि खुद उन्हीं से आती है। जब कोई नेता यह मानता है कि सत्ता लोगों से आती है, तो वह विनम्र और सम्मानजनक बना रहता है। वह हर नागरिक को चाहे वह कोई व्यापारी हो, मछुआरा हो, या फिर कोई मजदूर एक साझीदार के तौर पर देखता है। उन्होंने कहा लेकिन जब उन्हें यह लगने लगता है कि सत्ता उन्हीं से आती है, तो उनमें अहंकार आ जाता है।

मिडिल-ईस्ट जंग: कांग्रेस के 4 बड़े नेता सरकार के साथ

राहुल गांधी से अलग राय रखी; LPG संकट पर कहा- सिर्फ माहौल बनाया जा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के चार बड़े नेता मिडिल ईस्ट जंग और एलपीजी संकट पर पार्टी लाइन से हटकर बात कर रहे हैं। इनमें कमलनाथ, आनंद शर्मा, शशि थरूर और मनीष तिवारी शामिल हैं। एक तरफ जहां राहुल गांधी इन मुद्दों पर सीधे पीएम का नाम लेकर निशाना साध रहे हैं।

वहीं कांग्रेस के सीनियर लीडर मौजूदा परिस्थिति में भारत की विदेश नीति की तारीफ कर रहे। कांग्रेस MP मनीष तिवारी ने एक टीवी न्यूज चैनल पर वेस्ट एशिया युद्ध पर बोलते हुए कहा कि सरकार शायद सही काम कर रही है।गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने भारत के डिप्लोमैटिक तरीके की तारीफ करते हुए इसे मैच्योर और स्किलफुल बताया।

महाराष्ट्र के नासिक में कुएं में कार गिरी, 9 मौतें

नासिक, एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला।

पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है।

अधिकारी ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राइवर को कुआं कैसे नहीं दिखा। उन्होंने आगे कहा, हम चश्मदीदों की तलाश कर रहे हैं और घटना के CCTV फुटेज चेक कर रहे हैं।

जंग का असर

पाकिस्तानी मंत्रियों को 6 महीने सैलरी नहीं:2 दिन पहले पेट्रोल पर 137 रुपए बढ़े, विरोध के बाद 80 रुपए कम किए

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में इजराइल-अमेरिका की ईरान से जंग का असर दिख रहा है। वहां अगले 6 महीने तक मंत्रियों का वेतन रोक दिया गया है। दो दिन पहले पेट्रोल 137 रुपए और डीजल 184 रुपए महंगा किया गया था। हालांकि, देशभर में विरोध हुआ तो शुक्रवार को सरकार ने पेट्रोल 80 रुपए सस्ता कर दिया।

अब पाकिस्तान में पेट्रोल 378 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। डीजल बढ़ी हुई कीमत 520.35 रुपए प्रति लीटर पर ही मिलेगा।

कैबिनेट मंत्रियों की 6 महीने की सैलरी रुकी:बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट से निपटने के लिए शहबाज शरीफ ने कड़े उपायों का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट मंत्रियों की 2 महीने की सैलरी रोकने का फैसला लिया गया था, लेकिन अब मंत्रियों को अगले 6 महीने तक वेतन नहीं मिलेगा।

आधी रात को देश के नाम संबोधन में दी जानकारी:शुक्रवार आधी रात को राष्ट्र को संबोधित करते हुए PM शहबाज शरीफ ने कहा कि सरकार ने जनता पर बोझ कम करने के लिए पेट्रोल टैक्स को 80 रुपए घटाने का फैसला किया है। नई कीमतें देशभर के पेट्रोल पंपों पर तुरंत लागू हो गई हैं। शरीफ ने यह भी साफ किया कि पेट्रोल की ये कीमतें कम से कम अगले एक महीने तक स्थिर रहेंगी।

पहले 458 के पार पहुंच गई थी कीमत:शहबाज सरकार ने दो दिन पहले पेट्रोल पर टैक्स 105 रुपए से बढ़ाकर 160 रुपए कर दिया था। इससे यहां पेट्रोल की कीमत 321.17 रुपए से बढ़कर 458.41 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई थी।

युद्ध के बीच शांति खोजने अल्मोड़ा पहुंचे इजराइली

टूरिस्ट बोला- घर पर लगातार बम-धमाकों की आवाजें आती हैं, यहां आकर सेफ फील करते हैं

अल्मोड़ा,एजेंसी। इजराइल में जारी युद्ध और लगातार बने तनावपूर्ण हालात के बीच वहां के लोग शांति की खोज में उत्तराखंड के अल्मोड़ा में पहुंच रहे हैं। यहां पर स्थित कसार देवी क्षेत्र इजराइली टूरिस्टों के लिए ऐसा सुरक्षित और शांत ठिकाना बना हुआ है, जहां वे कुछ समय के लिए युद्ध के माहौल से दूर सुकून के पल बिता रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी इजराइली पर्यटक यहां पहुंचे हैं। हालांकि इस बार उनकी संख्या पहले के मुकाबले कम है। वीकेंड के दौरान जहां पहले 250 से 300 विदेशी पर्यटक पहुंचते थे, वहीं अब यह आंकड़ा घटकर करीब 100 से 120 के बीच रह गया है। इसी बीच इजराइली समुदाय का प्रमुख धार्मिक पर्व 'पासओवर' भी इन दिनों चल रहा है, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर 9 अप्रैल तक मनाया जा रहा है। इस पर्व के बीच ये विदेशी मेहमान शांत वादियों के बीच अपना समय बिता रहे हैं।

देश में आय का 40% तक स्मार्टफोन खर्च पहुंचा, केवल 5% होना चाहिए

महंगाई ने 22 करोड़ यूजर्स का स्मार्टफोन अपग्रेड अटकाया

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में 22 करोड़ लोग फीचर फोन इस्तेमाल कर रहे हैं। वे स्मार्टफोन पर शिफ्ट होना चाहते हैं। पर बजट और महंगे हैंडसेट बड़ी बाधा हैं। एक भरोसेमंद स्मार्टफोन और एंट्री-लेवल फीचर फोन के बीच ?4-6 हजार का अंतर है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक मेमोरी चिप की कीमतें बढ़ने से अंतर 6-8 हजार हो सकता है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक महंगे स्मार्टफोन डिजिटल इंडिया के लिए चुनौती हैं। बेसिक स्मार्टफोन की कीमत यूजर की मासिक आय का 30-40% तक है।

यह सामर्थ्य के तय मानक 5% से कई गुना है। सिंधिया ने सुझाव दिया है कि पीएलआई स्कीम को मेक इन इंडिया से आगे बढ़ाकर 'अफोर्डेबल इन इंडिया' की दिशा में ले जाना चाहिए।

हिस्सेदारी : 5-10 हजार सेगमेंट: बाजार हिस्सेदारी 24% है और इसमें 71% मॉडल अब 5जी तकनीक वाले हैं।

15 हजार से कम सेगमेंट: इसकी कुल मार्केट हिस्सेदारी 4% रह गई है और इसमें 100% मॉडल 4जी हैं।

फीचर फोन से 7 गुना महंगा स्मार्टफोन :देश का सबसे सस्ता 4जी स्मार्टफोन आईटेल जेनो 5799 रुपए का है। वहीं लावा शार्क ?8999 रुपए में सबसे सस्ता 5जी स्मार्टफोन विकल्प है। इसके मुकाबले स्नेक्सलैन गुरु 301 जैसा 2जी फीचर फोन महज 649 और कार्बन के1 जैसा 4जी फीचर फोन मात्र 835 रुपए में उपलब्ध है।

मेमोरी चिप महंगी होने से बढ़ेंगी कीमतें : काउंटरपॉइंट रिसर्च के डायरेक्टर तरुण पाठक के मुताबिक 4जी फीचर फोन से 4जी स्मार्टफोन पर अपग्रेड के लिए ?4 हजार अतिरिक्त खर्च करने पड़ते हैं। यदि ग्राहक 5जी फोन चुनता है तो बोझ 6 हजार रुपए तक बढ़ जाता है। मेमोरी शॉर्टेज से कीमतें बढ़ने पर स्मार्टफोन खरीदना और मुश्किल होगा।

मार्बल के फर्जी बिलों से टैक्स चोरी, 8.62 लाख का जुर्माना; राज्य कर विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

आगरा , एजेंसी। राज्य कर विभाग ने चेकिंग के दौरान फर्जी बिल और ई-वे बिल के जरिए मार्बल की टैक्स चोरी का बड़ा मामला पकड़ा। एक ही पैन पर कई फर्म चलाकर संगठित तरीके से व्यापार किया जा रहा था, जिस पर 8.62 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सहायक आयुक्त राज्य कर केदार नाथ ने तहरीर दी। उनके अनुसार 18 मार्च को सचल दल पंचम इकाई ने कोरई टोल प्लाजा के पास राजस्थान नंबर की लोडर को रोककर जांच की। वाहन चालक जफरुद्दीन अगावान ने बताया कि वह किशनगढ़ (राजस्थान) से ग्रेनाइट-मार्बल स्लैब लेकर आगरा आ रहा है। जांच के दौरान प्रस्तुत टैक्स इनवॉइस और ई-वे बिल में 8002 वर्गफीट माल दर्शाया गया, जबकि भौतिक सत्यापन में 11,244 वर्गफीट माल पाया गया। जांच में सामने आया कि विक्रेता फर्म एसआरके इंटरप्राइजेज (किशनगढ़) ने 23 फरवरी को जीएसटी पंजीकरण कराया लेकिन अब तक रिटर्न दाखिल नहीं किए। इसके बावजूद लगातार ई-वे बिल जारी कर व्यापार किया जा रहा था। साथ ही एक ही पैन नंबर पर राजस्थान में आरके इंटरप्राइजेज और आगरा में एके इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म संचालित होना पाया गया। फर्म का संचालक लवकुश बताया गया है। इसी मोबाइल नंबर और ईमेल से एक तीसरी फर्म जेके इंटरप्राइजेज भी संचालित पाई गई। यह भी सामने आया कि यह वाहन पहले 8 मार्च को महाराष्ट्र में टैक्स चोरी में पकड़ा जा चुका है। अधिकारियों के अनुसार यह पूरा मामला सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के जरिए टैक्स चोरी का है। एसीपी लोहामंडी गौरव कुमार ने बताया कि शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बरेली बवाल के तीन आरोपियों की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने दिया गिरफ्तारी का आदेश

बरेली, एजेंसी। बरेली बवाल के तीन आरोपियों को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने आरोपियों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोपियों ने प्राथमिकी को गलत बताते हुए निरस्त करने की अपील की थी। बरेली शहर में 26 सितंबर 2025 को हुए बवाल के तीन आरोपियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज करते हुए गिरफ्तारी का आदेश दिया है। इसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। बता दें कि तीन आरोपियों ने प्राथमिकी को गलत बताते हुए उसे रद्द कराने के लिए याचिका दाखिल की थी।

इन आरोपियों ने दाखिल की थी याचिका : मौलाना तौकीर रजा के उकसावे पर शहर में बवाल, पुलिस पर हमला, दंगा और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के मामले में आरोपी साजिद सकलैनी, अजमल रफी और नईम कुरैशी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट की शरण ली थी। आरोपियों ने वकील के जरिये कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि पुलिस ने गलत प्राथमिकी दर्ज की है। उनकी नामजदगी भी गलत है। ऐसे में कोर्ट से प्राथमिकी को निरस्त करने का आदेश पारित करने की याचिका की थी। साजिद सकलैनी को गिरफ्तारी पर स्टे मिला हुआ था। आरोपियों ने दावा किया था कि उनकी नामजदगी गलत है।

याचिका खारिज, गिरफ्तारी का आदेश : हाईकोर्ट ने आरोपियों की दलीलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि मामले में कोर्ट के हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज करते हुए गिरफ्तारी का आदेश दिया है। आरोपियों में साजिद पर 15 हजार रुपये इनाम भी घोषित है। हाईकोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई है।

बड़ा बाग हनुमान मंदिर और लीलौर झील समेत छह पर्यटन स्थलों का होगा सुंदरीकरण, बजट जारी

बरेली , एजेंसी। बरेली जिले में प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थलों के सुंदरीकरण के लिए प्रदेश सरकार ने बजट जारी किया है। इससे शहर स्थित बड़ा बाग हनुमान मंदिर समेत जिले के अन्य पर्यटन स्थलों पर विकास कार्य कराए जाएंगे। बरेली जिले के प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थलों के लिए शासन ने बजट जारी किया है। 10.35 करोड़ रुपये से बड़ा बाग हनुमान मंदिर, लीलौर झील समेत कुल छह पर्यटन स्थल संवारे जाएंगे। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को सहूलियत होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। हार्टमन स्थित बड़ा बाग हनुमान मंदिर के विकास के लिए 3.55 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। विकास भवन के सामने आनंद आश्रम के लिए 90 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इससे यहां आने वाले यात्रियों के लिए हॉल बनाया जाएगा। आंवला क्षेत्र में लीलौर झील पर 52 हेक्टेयर में काम कराया जा रहा है। इसके लिए पांच करोड़ रुपये की डिमांड शासन को भेजी गई थी। तीन करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। यात्री यात्री हॉल, फूड कोर्ट, टॉयलेट ब्लॉक, कैफेटेरिया बनाया जाएगा। पर्यटकों के लिए बोटिंग की व्यवस्था भी की जाएगी।

इन स्थलों पर भी होंगे विकास कार्य : अहिच्छत्र किला, गुलड़िया गौरीशंकर मंदिर में भी ओपेन हॉल का निर्माण कराया जाएगा। आंवला क्षेत्र में स्थित जैन मंदिर के सुंदरीकरण के लिए 2.50 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इससे वहां बड़ा यात्री हॉल, टायलेट, फूलों की दुकानें बनाई जा रही हैं। उससे 500 मीटर की दूरी पर स्थित द्रौपदी स्वयंवर स्थल के लिए 90 लाख रुपये मंजूर हुए हैं। यहां पेंटिंग म्यूरल बनाए जाएंगे। यह दीवार, छत या किसी अन्य बड़े स्थायी ढांचे पर सीधे बनाई गई कलाकृति होगी । क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रवींद्र कुमार ने बताया कि जिले के पर्यटन स्थलों के विकास के लिए शासन से 10.35 करोड़ स्वीकृत हुए हैं। इससे स्थलों का विकास होगा और पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी। व्यापार बढ़ने के साथ लोगों को रोजगार भी मिलेंगे।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने बनाई रणनीति, आंदोलन की दी चेतावनी

गोरखपुर , एजेंसी। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिलाध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों और क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बिजली, पानी, सड़क, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं पर चिंता जताई। खासतौर पर गैस सिलिंडर की कमी और कालाबाजारी को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया। नेताओं का आरोप था कि कृत्रिम किल्लत पैदा कर उपभोक्ताओं से अधिक कीमत वसूली जा रही है, जिससे आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग परेशान है। जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी ने लोगों की कमर तोड़ दी है। गैस सिलेंडर की कमी और उसकी कालाबाजारी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। चार अप्रैल को लखनऊ में बाबू जगजीवन राम जयंती कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग का निर्णय लिया गया। अंत में कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

गुरुग्राम में घोटाला, 1500 अधूरी इमारतों को पूरा बताकर दिए ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट; आर्किटेक्ट होंगे ब्लैकलिस्ट

नया गुरुग्राम, एजेंसी। शहर की लाइसेंस कॉलोनियों में ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) जारी करने के नाम पर चल रहे बड़े खेल का पर्दाफाश होना शुरू हो गया है। बीते छह महीनों में जारी हुए ओसी अब सीएम फ्लाइंग की रडार पर हैं। शुरुआती जांच ने ही चौंकाने वाले तथ्य सामने ला दिए हैं। कई इमारतों में जहां निर्माण कार्य अभी अधूरा था, उन्हें पूर्ण बताकर ओसी जारी कर दिए गए। बृहस्पतिवार से टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के डीटीपी प्लानिंग कार्यालय और सीएम फ्लाइंग की संयुक्त टीम ने सेल्फ सर्टिफिकेशन नियमावली के तहत आर्किटेक्ट्स द्वारा जारी ओसी की जमीनी जांच शुरू कर दी है। दो दिनों के भीतर टीम ने अंसल एसेंसिया, अनंतराज, साउथ सिटी-1, साउथ सिटी-2 और सेक्टर-61 की अलग-अलग लाइसेंस कॉलोनियों में करीब 20 स्टिल्ट प्लस चार मंजिला इमारतों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान जो सामने आया उसने अधिकारियों के होश उड़ा दिए। कई इमारतों में जहां निर्माण कार्य अभी अधूरा था, वहीं उन्हें पूर्ण बताकर ओसी जारी कर दिए गए। सबसे गंभीर बात यह रही कि 20 में से कम से कम पांच इमारतें ऐसी मिलीं, जिनमें सिविल वर्क की शुरुआती अवस्था में ही ओसी जारी कर दिया गया था।

कुछ जगहों पर तो ईंटों के कच्चे ढांचे पर ही कागजी तौर पर तैयार इमारत घोषित कर दी गई। बता दें कि आर्किटेक्ट्स द्वारा जारी किए जा रहे ओसी पर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे और टाउन प्लानिंग विभाग के पास लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं। इसी के चलते सीएम फ्लाइंग ने डीटीपी प्लानिंग को पत्र लिखकर एक जुलाई 2025 से 15 मार्च 2026 तक जारी सभी ओसी की सूची मांगी थी। विभाग ने करीब 1500 ओसी की सूची तैयार कर जांच एजेंसी को सौंप दी है। सीएम फ्लाइंग के इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। अभी केवल जनवरी के बाद जारी किए ओसी की जांच पड़ताल की गई है। कई मामलों में बिना निर्माण पूर्ण हुए ही ओसी जारी किए गए हैं। सभी मामलों की विस्तृत जांच की जा रही है और इसकी पूरी रिपोर्ट चंडीगढ़ स्थित उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके बाद इसमें दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नियमावली में केवल 10 प्रतिशत ओसी जांच करने का प्राधान

टाउन प्लानिंग की नियमावली के हिसाब से डीटीपी प्लानिंग आर्किटेक्ट द्वारा विभाग में जमा करने वाली ओसी की फाइल्स में केवल 10 प्रतिशत फ़ाइलों की ही जांच कर सकता है। यह 10 प्रतिशत फ़ाइल भी विभाग का सॉफ्टवेयर रैंडम सेलेक्ट करता है। ऐसे में टाउन प्लानिंग के डीटीपी प्लानिंग कार्यालय की तरफ से सीएम फ्लाइंग टीम का पूरा सहयोग किया जा रहा है ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। सीएम फ्लाइंग ने विभाग को पत्र लिखकर 1 जुलाई 2025 से लेकर 15 मार्च 2026 तक आर्किटेक्ट द्वारा जारी किए गए आक्यूपशन सर्टिफिकेट की सूची मांगी थी जो कि विभाग ने मुहैया करा दी है। इसके अलावा जांच पड़ताल के लिए विभाग द्वारा एक एटीपी और जूनियर इंजीनियर की सहयोग के लिए सीएम फ्लाइंग टीम के साथ ड्यूटी लगाई है। जिस भी आर्किटेक्ट ने गलत ओसी जारी किए हैं, उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

गहरी सांस लेना तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका

नई दिल्ली , एजेंसी। डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव हृदय रोगों के खतरे को काफी बढ़ा सकता है, इसलिए समय रहते इसे नियंत्रित करना बेहद जरूरी है।

तनाव की स्थिति में शरीर में ऐसे हार्मोन निकलते हैं, जो ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन को बढ़ा देते हैं। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में कुछ सरल आदतों को अपनाकर न केवल तनाव को कम किया जा सकता है, बल्कि दिल को भी स्वस्थ रखा जा सकता है। गहरी सांस लेना तनाव कम करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका माना जाता है। योग और आयुर्वेद में इसे प्राणायाम का हिस्सा बताया गया है, जो शरीर और मन को संतुलित करने में मदद करता है। जब व्यक्ति धीरे-धीरे और गहरी सांस लेता है, तो शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है और नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है। इससे दिल की धड़कन सामान्य रहती है और मन शांत होता है। इसके अलावा, नियमित रूप से वॉक करना या योगासन करना भी तनाव कम करने में बेहद लाभकारी है। एक्सरसाइज के दौरान शरीर में ऐसे हार्मोन बनते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं और तनाव को कम करते हैं। साथ ही, यह ब्लड सर्कुलेशन को सुधारकर हृदय को मजबूत बनाने में मदद करता है। संतुलित और पौष्टिक आहार भी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद के अनुसार सात्विक भोजन मन को शांत और स्थिर रखने में सहायक होता है। ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करता है और तनाव को नियंत्रित करने में मदद करता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सही डाइट सूजन को कम करती है और दिल की सेहत को बेहतर बनाती है। अच्छी और पर्याप्त नींद भी तनाव प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रोजाना 7 से 8 घंटे की गहरी नींद लेने से शरीर को पूरा आराम मिलता है, हार्मोन संतुलित रहते हैं और हृदय पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। इसके साथ ही, नियमित मेडिटेशन करना मानसिक शांति के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है। यह तनाव हार्मोन को कम करता है और मन को स्थिर बनाता है, जिससे हृदय की कार्यप्रणाली भी बेहतर होती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने का असरदार उपाय है मेथी दाना का पानी

नई दिल्ली , एजेंसी। आयुर्वेद में बताए गए इम्यूनिटी बढ़ाने के कुछ प्राकृतिक उपाय लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। इन्हीं में से एक असरदार घरेलू उपाय है मेथी दाना का पानी, जिसे सुबह खाली पेट पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मेथी दाना में गैलेक्टोमैनन नामक खास प्रकार का फाइबर पाया जाता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित रूप से मेथी पानी पीने से शरीर में शुगर लेवल संतुलित रहता है और इंसुलिन की संवेदनशीलता भी बेहतर होती है। यही कारण है कि डायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए यह एक प्रभावी प्राकृतिक उपाय माना जाता है, जो शुगर स्पाइक्स को नियंत्रित करने में मदद करता है। वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी मेथी दाना का पानी काफी उपयोगी साबित होता है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और भूख को नियंत्रित करता है, जिससे अनावश्यक कैलोरी का सेवन कम हो जाता है।

इसके नियमित सेवन से धीरे-धीरे वजन घटने में मदद मिलती है और शरीर फिट रहने लगता है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में भी मेथी पानी अहम भूमिका निभाता है। जिन लोगों को गैस, अपच, एसिडिटी या कब्ज की समस्या रहती है, उनके लिए यह एक आसान और असरदार उपाय हो सकता है। इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर पेट की सफाई करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट हल्का रहता है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। दिल की सेहत के लिए भी मेथी दाना फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय रोगों का खतरा घटता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में भी सहायक होता है, जिससे हार्ट अटैक का जोखिम कम हो सकता है। इसके अलावा, मेथी पानी जोड़ों के दर्द और गठिया जैसी समस्याओं में भी राहत पहुंचाता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन को कम करते हैं और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस साधारण घरेलू उपाय को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए, तो यह न केवल शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाव में भी मददगार साबित हो सकता है।

80 प्रतिशत पाकिस्तानी गे हैं, ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट का बड़ा दावा; छिड़ी बड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट हिना बलोच का एक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में देश में यौन पहचान को लेकर बड़ा दावा किया, जिसके बाद इस मुद्दे पर ऑनलाइन बहस शुरू हो गई है।एक यूट्यूब इंटरव्यू में हिना बलोच ने कहा कि पाकिस्तान में समलैंगिकता एक ओपन सीक्रेट है, लेकिन लोग इसे खुलकर स्वीकार नहीं करते। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। उन्होंने कहा कि समाज, धर्म और पारिवारिक दबाव के कारण लोग अपनी असली पहचान को छिपाते हैं। उनके मुताबिक, लोग इस विषय पर खुलकर बात करने से बचते हैं।के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी यौन पहचान से ज्यादा इस बात का डर था कि वे अपनी पहचान को कैसे व्यक्त करें। उन्होंने कहा कि कराची में रहते हुए उन्हें यह चिंता रहती थी कि वे कैसे मेकअप करें या महिलाओं जैसे कपड़े पहनें, बिना परिवार या समाज की नाराजगी और हिंसा का सामना किए।हिना बलोच ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने सीमित विकल्प होते हैं, जैसे भीख मांगना, नाचना या सेक्स वर्क करना। उन्होंने इन रास्तों को छोड़कर अधिकारों के लिए काम करना चुना। वह सिंध मूरत मार्च की सह-संस्थापक रही हैं और पाकिस्तान के औरत मार्च में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने पहले भी बताया था कि प्राइड झंडा उठाने पर उन्हें हिंसा और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

आई देश छोड़ने तक की नौबत: हिना बलोच ने कहा कि उन्हें पुलिस द्वारा कथित उत्पीड़न और हिंसा का भी सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें पाकिस्तान छोड़ना पड़ा।

एपस्टीन मामले में बड़ा समझौता: 7.25 करोड़ डॉलर का बनाया गया फंड

एक साथ कई पीड़ित महिलाओं को मिलेगा मुआवजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए-नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच इस मामले में बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ित महिलाओं के वकीलों के बीच हुए समझौते के तहत 7.25 करोड़ डॉलर (करीब 600 करोड़ रुपये) का एक फंड बनाया गया है, जिससे पीड़ित महिलाओं को मुआवजा दिया जाएगा। अदालत के अनुसार, इस फंड का फायदा 60 से 75 महिलाओं को मिल सकता है, जिनका एपस्टीन ने 2008 के बाद यौन शोषण किया था। अमेरिकी जिला जज जेड एस. रैकॉफ ने इस समझौते को शुरुआती मंजूरी दे दी है और अंतिम सुनवाई 27 अगस्त को होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पीड़ितों तक इस फंड की जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी छूट न जाए।

पीड़ित महिलाओं के वकीलों का आरोप: मामले में पीड़ित महिलाओं के वकीलों का आरोप था कि बैंक ऑफ अमेरिका ने एपस्टीन के संदिग्ध लेनदेन को नजरअंदाज किया, जबकि वह 2008 से 2019 के बीच लड़कियों और महिलाओं का शोषण कर रहा था।

ट्रंप ने अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा

शिक्षा-विदेशी मदद में कटौती की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा बजट पेश किया है। ट्रंप प्रशासन ने डेढ़ खरब डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव पेश किया है। यह रक्षा बजट में 44 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि है, जिससे पेंटागन के खर्च में खासी बढ़ोतरी होगी। रक्षा बजट बढ़ाने के लिए कई घरेलू कार्यक्रमों में कटौती करने की तैयारी है। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक बजट प्रस्ताव में कहा, 'राष्ट्रीय रक्षा के लिए पहले दिए गए ऐतिहासिक 1 खरब डॉलर के बजट को आगे बढ़ाते हुए 2027 के लिए 1.5 खरब डॉलर की मांग की गई है, जो 44 प्रतिशत की वृद्धि है।' अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह प्रस्ताव बढ़ते सुरक्षा दबावों के बीच अमेरिका की सैन्य बढ़त को बनाए रखने में मदद करेगा। दस्तावेज में कहा गया, '2027 का बजट इस वादे को सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सक्षम सेना बनाए रखे।' प्रस्ताव में लगभग 1.1 खरब डॉलर का आधारभूत रक्षा खर्च शामिल है, जबकि करीब 350 अरब डॉलर गोला-बारूद उत्पादन और रक्षा औद्योगिक ढांचे के विस्तार के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस बजट का एक प्रमुख हिस्सा 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली विकसित करने के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, गोल्डन डोम परियोजना को मजबूत वित्तीय समर्थन दिया जाएगा और इसे घरेलू सुरक्षा रणनीति के तहत प्राथमिकता मिलेगी। बजट में जहाज निर्माण के लिए 65.8 अरब डॉलर का प्रावधान भी किया गया है, जिसमें नए युद्धपोत और सहायक पोत बनाने की योजना है। साथ ही, सैन्य कर्मियों के वेतन में वृद्धि का भी प्रस्ताव है, जिसमें ई-5 और उससे नीचे के रैंक के जवानों के लिए 7 प्रतिशत वेतन बढ़ोतरी शामिल है।

शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे कई अहम मदों में बजट कटौती की तैयारी: रक्षा खर्च में इस बढ़ोतरी के साथ अमेरिकी सरकार कई अन्य अहम कार्यक्रमों के बजट में कटौती की तैयारी कर रही है। आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, '2026 के गैर-रक्षा कार्यक्रमों की तुलना में बजट में 10 प्रतिशत की कटौती का प्रस्ताव है।' प्रस्ताव में शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और विदेशी सहायता कार्यक्रमों में कटौती का खाका पेश किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य अनुसंधान कार्यक्रमों में 73 अरब डॉलर तक की कटौती हो सकती है। कांग्रेस में इस प्रस्ताव पर राजनीतिक मतभेद साफ दिखे। रिपब्लिकन नेताओं ने रक्षा बजट में बढ़ोतरी का स्वागत किया, जबकि डेमोक्रेट्स ने इसे अत्यधिक बताते हुए कहा कि इससे घरेलू प्राथमिकताओं पर असर पड़ेगा। अब यह बजट प्रस्ताव कांग्रेस के पास जाएगा, जहां सांसद तय करेंगे कि नए वित्त वर्ष (1 अक्टूबर से शुरू) से पहले इसमें कितना हिस्सा मंजूर होता है।

गांव-गांव पहुंच रहीं स्वास्थ्य सेवाएं, 940 से अधिक लोगों का हुआ परीक्षण

मुख्यमंत्री विज़न को धरातल पर उतारता प्रशासन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष फोकस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में स्वास्थ्य एवं पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का अभियान तेज़ी से संचालित हो रहा है इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में पंचायत स्तर पर विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों को उनके गांव के समीप ही समग्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं आयोजित शिविरों में मझौली के बोदरीटोला, सिहावल के पोड़ी, रामपुर नैकिन के कुशमहर एवं सीधी के माटा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग

लिया इन शिविरों में कुल 940 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया बोदरीटोला में 255, माटा में 380, कुशमहर में 184 तथा पोड़ी में 123 लोगों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां एवं परामर्श प्रदान किया गया। कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं बोदरीटोला पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और हितग्राहियों से संवाद किया वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा ने कुशमहर में शिविर की व्यवस्थाओं का संचालन एवं निरीक्षण किया शिविरों में स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की टीमों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही राजस्व, पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभागों का भी सहयोग रहा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, कुपोषित बच्चों और किशोरी बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बुजुर्गों को स्वास्थ्य परामर्श, निःशुल्क जांच एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं, वहीं बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापन भी किया गया गंभीर मरीजों को आवश्यकता अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया गया। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के अपूर्ण प्रमाण पत्रों के लिए चिन्हांकन कर उन्हें जिला मेडिकल बोर्ड भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। शिविरों में बाल विवाह के दुष्प्रभाव, परिवार नियोजन एवं पोषण योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाई गई तथा लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई।

जिले में लगेंगे पुस्तक मेले, एक ही स्थान पर मिलेगी स्कूली सामग्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विद्यार्थियों और अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शासकीय विद्यालयों में पुस्तक मेलों का आयोजन किया जाएगा ये मेले शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावल, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर नैकिन, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली तथा शासकीय सांदीपनि उच्च माध्यमिक विद्यालय कुसमी में आयोजित होंगे। मेले का समय प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 9 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को अनावश्यक खर्च से राहत देना और विद्यार्थियों को उनकी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री- जैसे किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते, मोजे एवं टाई-एक ही स्थान पर उचित दरों पर उपलब्ध कराना है मेले में विभिन्न विक्रेताओं द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी जिससे अभिभावकों को बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। आयोजन की सुचारू व्यवस्था के लिए प्रत्येक विकासखंड में विकासखंड शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है उनके द्वारा स्थानीय पुस्तक एवं संबंधित सामग्री विक्रेताओं को आमंत्रित कर पंजीयन कराया जाएगा और उन्हें निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे इसके साथ ही सभी अशासकीय विद्यालयों को भी मेले की पूर्व सूचना दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक अभिभावक और विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ उठा सकें। पुस्तक मेले का शुभारंभ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

एसडीएम के पैर पकड़कर भी नहीं बचा सके घर;सीधी में डीजे प्लाजा के लिए तोड़े जा रहे पीएम आवास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कई बार आवेदन देने के बाद भी कार्रवाई नहीं रुकी। मेरा घर गिराया जाने लगा मैंने एसडीएम के पैर पकड़ लिए। कहा- साहब घर मत गिराइए लेकिन मेरी सुनवाई नहीं हुई। मेरा घर मलबे में तब्दील हो गया। जहां कभी बच्चों की हंसी गूंजती थी वहां अब सिर्फ धूल और सन्नाटा है। यह दर्द 70 वर्षीय लक्ष्मीकांत द्विवेदी का है जो पट्टे की जमीन पर बने अपने मकान में वर्षों से रह रहे थे शहर में प्रस्तावित डीजे प्लाजा प्रोजेक्ट के लिए इलाके में कार्रवाई की जा रही है पीड़ित का आरोप है कि तीन महीने पहले उनके भाई की दुकान तोड़ी गई इसके सदमे में कुछ ही दिनों बाद उनकी मौत हो गई थी अब 2017 में बने प्रधानमंत्री आवास भी कार्रवाई की जद में

हैं विरोध किया तो मकानों के चारों ओर खुदाई कर उन्हें कमजोर कर दिया इससे दरारें आ गईं गिरने का खतरा बना हुआ है। दशकों से रह रहे परिवारों के सामने बेघर होने का खतरा है लोगों ने सीएम से शिकायत की तो कलेक्टर को हटा दिया गया लेकिन घर जमींदोज करने का डर बरकरार है। पहुंचकर जानने की कोशिश की कि पट्टे की जमीन और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों पर कार्रवाई क्यों की जा रही है। पीड़ित परिवारों ने आपबीती सुनाई और रो पड़े। पीएम आवास के मकानों के चारों तरफ खोद दिया गया है। इससे वह कभी भी गिर सकते हैं। सम्राट चौक क्षेत्र में कई परिवार 50 साल से अधिक समय से रह रहे हैं। पीएम आवास योजना के तहत बने 5 मकान और एक पुश्तैनी पट्टे पर बना मकान कार्रवाई की जद में हैं पीड़ितों का कहना है कि उनके पास जमीन के दस्तावेज हैं इसके बावजूद एक मकान गिराया जा चुका है। विरोध के बाद बाकी मकानों को सीधे तोड़ने के बजाय चारों ओर खुदाई कर अलग-थलग कर दिया इससे कई मकानों में दरारें आ गई हैं नींव कमजोर होने से उनके गिरने का खतरा परिवारों ने धमकियां मिलने का भी आरोप लगाया है और खुद को असुरक्षित बताया है। पूजा विश्वकर्मा ने कहा जब मेरा बेटा 8 महीने का था तब पति की मौत हो गई मैंने अकेले परवरिश की और परिवार की जिम्मेदारी संभाली लेकिन अब हालात मुश्किल हो गए हैं मेरे घर के चारों तरफ खुदाई कर दी गई है जिससे मकान असुरक्षित हो गया है रात में घर गिराकर हमें मलबे में दबाने की धमकियां मिल रही हैं मैं सिर्फ बच्चों के लिए खड़ी हूं हमें इंसाफ, सुरक्षा और जीने का हक चाहिए।

प्रशासन गांवों की ओर : चौपाल में होगी जनसुनवाई और हितलाभ वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित पारदर्शी और प्रभावी निराकरण के लिए प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में ग्राम स्तर पर जनसंवाद और जनसुनवाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत प्रशासनिक अमला सीधे गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेगा और उनका समाधान करेगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक आने की परेशानी से राहत देना अब लोग अपने गांव में ही अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रख सकेंगे और उनका निराकरण भी यथासंभव मौके पर ही किया जाएगा अभियान के तहत 08 अप्रैल को विकासखंड सिहावल के ग्राम हटवा, पहाड़ी और अमिलिया में सायंकालीन एवं रात्रिकालीन चौपाल आयोजित की जाएगी। दिनभर के कार्यक्रम के बाद कलेक्टर अमिलिया में ही रात्रि विश्राम करेंगे ताकि स्थानीय लोगों से विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याओं को बेहतर तरीके से समझा जा सके इसके बाद 09 अप्रैल को कोदौरा, लौआ और सुहौलिया में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित होंगे इसी दिन बहरी में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर एवं संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जहां विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान उनके गांव के नजदीक ही सुनिश्चित किया जाए इस पहल से न केवल समय और धन की बचत होगी बल्कि प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद भी मजबूत होगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन चौपालों और शिविरों में भाग लें तथा अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखें ताकि उनका शीघ्र और संतोषजनक समाधान किया जा सके प्रशासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शिता और सहजता से लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है जिससे संकल्प से समाधान की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार किया जा सकेगा।

बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं जारी आदेश के अनुसार अब सभी विकासखंड स्तर के अधिकारी बिना सक्षम स्वीकृति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। किसी भी शासकीय या व्यक्तिगत कार्य से बाहर जाने की स्थिति में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से पूर्व अनुमति या अवकाश स्वीकृत कराना अनिवार्य होगा। अपर कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों की मुख्यालय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर गोष्ठी सम्पन्न, जागरूकता पर दिया गया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान : चुनौतियां और आगे की राह' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य गोपाल चौरसिया ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चौरसिया ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है शिक्षा के प्रसार से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और इस कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा गोष्ठी के दौरान भूगोल विभाग के तेज प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि बाल विवाह से छात्राओं के मानसिक एवं शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं डॉ. ज्योति रजक ने अपने वक्तव्य में बताया कि कम उम्र में गर्भधारण से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ने की आशंका रहती है इतिहास विभाग के डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बाल विवाह के कारण शिक्षा बाधित होती है जिससे छात्राएं अपने बेहतर भविष्य और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे नहीं बढ़ पातीं कार्यक्रम में छात्रा कुमारी कामोलिका जायसवाल एवं माधुरी नामदेव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का आह्वान किया कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेंद्र गुप्ता द्वारा किया गया जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. रामधारी जायसवाल ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के अजीत चौधरी, डॉ. राजेश पटेल, बाबाहरीनंद, प्रवीण कुमार, डॉ. राजेश सिंह एवं अनिल केवट सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में अधिकारियों ने संभाली कक्षा, विद्यार्थियों को दिया प्रेरणा का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत नवाचार करते हुए भविष्य से भेंट कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना उनके साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है अभियान के प्रथम चरण में 1 अप्रैल 2026 को जिले के सभी विद्यालयों में प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया इसके बाद 4 अप्रैल तक आयोजित गतिविधियों के तहत लगभग एक सैकड़ा विद्यालयों में जिला स्तरीय प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अधिकारी संबंधित विद्यालयों में समय पर पहुंचे और विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए एक पीरियड का अध्यापन कार्य भी किया इस दौरान अधिकारियों ने बच्चों को शिक्षा का महत्व, लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सरल और प्रेरक तरीके से दी। कार्यक्रम के दौरान कक्षाओं का माहौल बेहद रोचक और प्रेरणादायक रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अधिकारियों से प्रश्न पूछे और अपने विचार साझा किए अधिकारियों के साथ सीधे संवाद का अवसर पाकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला अधिकारियों ने इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि बच्चों के साथ समय बिताना और उन्हें मार्गदर्शन देना एक यादगार अनुभव रहा।

कलेक्टर ने जमीन पर बैठकर सुनी समस्याएं; बच्चों से संवाद किया स्वास्थ्य शिविर पर 284 लोगों ने जांच कराई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बोदारी टोला गांव में कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगा दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में कुल 284 ग्रामीणों ने अपना पंजीकरण कराया। शिविर के दौरान कलेक्टर ने जमीन पर बैठकर आमजन से सीधा संवाद किया और उनकी शिकायतों के तत्काल निराकरण के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया।

शुगर-बीपी और टीबी सहित अन्य जांचें हुईं: स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की शुगर, टीबी, बीपी, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों की निःशुल्क जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पंजीकृत 284 लोगों का परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। कलेक्टर ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर फीडबैक लिया और चिकित्सा अधिकारियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों से भोजन पर चर्चा: इसके बाद कलेक्टर विकास मिश्रा आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे जहां उन्होंने बच्चों से सीधे बातचीत की बच्चों ने उन्हें बताया कि केंद्र में नियमित रूप से दाल, चावल और सब्जी दी जा रही है कलेक्टर ने भोजन की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित एसडीएम को आवश्यक सुधार और निरंतर निगरानी के आदेश जारी किए।

जवाब सिखाने पर कर्मचारियों को लगाई फटकार: निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि कुछ कर्मचारी बच्चों को संकेत देकर जवाब देने के लिए प्रेरित कर रहे थे इस स्थिति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई।

अधिकारियों ने ली छात्रों की क्लास :कलेक्टर बोले किताबों को मित्र बनाएं; एसपी-डीएफओ ने भी पढ़ाया,जर्जर भवन की मरम्मत के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में प्रवेश उत्सव के दौरान जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने सरकारी स्कूलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर गौरव बेनल ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर छात्राओं से संवाद किया और पढ़ाई के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया निरीक्षण के दौरान स्कूल भवन की स्थिति जर्जर पाए जाने पर कलेक्टर ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर गौरव बेनल ने कन्या स्कूल के जर्जर हिस्से को लेकर शिक्षकों की शिकायत पर संज्ञान लिया उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि भवन की मरम्मत के लिए शीघ्र एस्टीमेट तैयार किया जाए इस दौरान

कलेक्टर ने कहा कि जर्जर ढांचे को दुरुस्त कर छात्राओं के लिए सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवेश उत्सव के तहत पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विंध्य नगर में विद्यार्थियों की क्लास ली। उन्होंने छात्रों को अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का महत्व समझाया वहीं वन मंडल अधिकारी अखिल बंसल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक बैढ़न में बच्चों को पढ़ाते हुए शिक्षा के लाभ बताए। कलेक्टर ने छात्राओं से बातचीत में किताबों को सच्चा मार्गदर्शक और मित्र बनाने की सलाह दी उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो सफलता की दिशा तय करती है प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी से विद्यालयों में सकारात्मक माहौल देखा गया और नए सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों में विशेष उत्साह रहा।

सांसद ने अकौरी में प्राकृतिक खेती का किया निरीक्षण, सफल प्रयोग का उदाहरण कर किसानों को किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सीधी जिले के अकौरी गांव में खेत पर प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया शनिवार सुबह उन्होंने जैविक गेहूं की फसल का बारीकी से अवलोकन किया और पारंपरिक व प्राकृतिक खेती की विधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सांसद ने खेत में खड़ी फसल पर संतोष व्यक्त किया उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया सांसद ने बताया कि यह वही खेत है जहां बुवाई के समय उन्होंने स्वयं ट्रैक्टर चलाकर बीज बोए थे। अब यह फसल एक सफल प्रयोग का उदाहरण बन चुकी है। सांसद डॉ. मिश्रा ने प्राकृतिक खेती के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि यह भूमि की उर्वरता बनाए रखने किसानों की लागत कम करने और पर्यावरण संरक्षण में सहायक है। उन्होंने जोर दिया कि रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करके किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं और शुद्ध उत्पादन से बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। सांसद ने प्राकृतिक खेती सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि आने वाले समय की आवश्यकता है। जब किसान अपनी मिट्टी की ताकत को पहचानकर बिना रासायनिक खाद के खेती करेंगे तब न केवल उनकी लागत घटेगी बल्कि स्वास्थ्यवर्धक अन्न भी समाज को मिलेगा। अकौरी का यह खेत इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि इच्छाशक्ति और सही पद्धति से खेती में बड़ा बदलाव संभव है सांसद ने खुशी व्यक्त की कि क्षेत्र के कई किसान अब पारंपरिक और प्राकृतिक खेती की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने इसे कृषि क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत बताया।

बंगाल में अराजकता : संवैधानिक संस्थाओं की अग्निपरीक्षा

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है।

बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

क्षितिज के पार: लहरों पर लिखती भारत की नई शौर्यगाथा

दिलीप कुमार पाठक

(5 अप्रैल राष्ट्रीय समुद्री दिवस)

उफनती लहरें, गहरा नीला समंदर और क्षितिज पर डूबता सूरज–ये दृश्य अक्सर हमें सुकून देते हैं, लेकिन इसी असीम विस्तार के पीछे छिपी है एक राष्ट्र के स्वाभिमान और समृद्धि की वह कहानी, जिसे हम राष्ट्रीय समुद्री दिवस के रूप में याद करते हैं। यह दिन केवल एक तारीख भर नहीं है, बल्कि यह उस साहस का उत्सव है जिसने सदियों पहले विदेशी बेड़ियों को तोड़कर खुले समुद्र में अपनी पहचान दर्ज की थी। कल्पना कीजिए उस दौर की, जब समंदर पर केवल फिरंगियों का राज हुआ करता था। उनके जहाज चलते थे, उनके नियम चलते थे और हमारी अपनी विरासत कहीं किनारे पर खड़ी असहाय नजर आती थी। ऐसे में एक हिंदुस्तानी जहाज, एसएस लॉयल्टी, मुंबई के तट से लंदन के लिए निकलता है। वह सिर्फ लकड़ी और लोहे का ढांचा नहीं था, वह करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों का वह पुल था जिसने दुनिया को बता दिया कि भारत की सीमाएं केवल जमीन तक सीमित नहीं हैं। वह यात्रा एक विद्रोह थी, एक घोषणा थी कि अब हम लहरों के साथ बहेंगे नहीं, बल्कि उन्हें अपनी दिशा में मोड़ेंगे। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो वह एक छोटी सी शुरुआत आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुकी है। भारत की करीब साढ़े सात हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा केवल भूगोल का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। हमारे बंदरगाह आज केवल सामान उतारने और चढ़ाने की जगह नहीं रह गए, वे आधुनिक भारत के वे द्वार बन चुके हैं जहाँ से आत्मनिर्भर भारत का सपना दुनिया के बाजारों तक पहुँच रहा है। देश का लगभग 95% व्यापार आज भी इन्हीं लहरों के रास्ते होता है। ज़रा सोचिए, उन गुमनाम नाविकों के बारे में जो महीनों तक अपनों से दूर, अनजानी हवाओं और तूफानी लहरों के बीच डटे रहते हैं ताकि हमारे घरों के चिराग जलते रहें और कारखानों के पहिए घूमते रहें। उनका त्याग इस समुद्री प्रगति का असली आधार है। अक्सर हम हिमालय की ऊंचाइयों की चर्चा तो बहुत करते हैं, लेकिन दक्षिण में फैले इस विशाल रत्नगर्भा नीले समंदर की गहराई को भूल जाते हैं। आज भारत जिस नीली अर्थव्यवस्था या ब्लू इकोनॉमी की बात कर रहा है, वह भविष्य का सबसे बड़ा निवेश है। गहरे समुद्र से निकलने वाले खनिज हों या तटों पर बसते मछुआरे भाइयों का जीवन, हर एक बिंदु इस विशाल तस्वीर का हिस्सा है। आधुनिक तकनीक ने अब हमें वह सामर्थ्य दे दिया है कि हम समंदर से न केवल संपदा निकाल रहे हैं, बल्कि उसकी रक्षा करना भी सीख रहे हैं। प्लास्टिक के प्रदूषण से लेकर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तक, आज का भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनकर उभर रहा है। आज हम केवल व्यापारिक जहाज ही नहीं चला रहे, बल्कि समंदर की लहरों पर अपना स्वदेशी आईएनएस विक्रांत जैसा विमानवाहक पोत भी लहरा रहे हैं। यह उस तकनीकी कौशल का प्रमाण है जो बताता है कि हम रक्षा और सुरक्षा के मामले में भी अब किसी के मोहताज नहीं हैं। हिंद महासागर में भारत की बढ़ती धमक यह सुनिश्चित करती है कि यह क्षेत्र शांति और प्रगति का केंद्र बना रहे। सागर का जो विजन हमारे विज़नरी लोगों ने दिया है, वह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए सुरक्षा और विकास का मंत्र है। जैसे-जैसे दुनिया सिमट रही है और व्यापार के नए गलियारे खुल रहे हैं, समुद्र का महत्व और बढ़ता जा रहा है। हमारी युवा पीढ़ी को अब इन लहरों में छिपे करियर और एडवेंचर को पहचानना होगा। यह केवल जहाजों का संचालन नहीं है, यह वैश्विक कूटनीति और अर्थव्यवस्था की वह धुरी है जहाँ भारत अब अगली कतार में खड़ा है। जब तक सूरज की किरणें इन लहरों पर चमकती रहेंगी, भारत की यह समुद्री यात्रा निरंतर चलती रहेगी। आज का दिन रुककर उन लहरों को सलाम करने का है, जिन्होंने हमें दुनिया से जोड़ा। उन पूर्वजों को नमन करने का है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस नहीं खोया। और सबसे बढ़कर, उन युवाओं को प्रोत्साहित करने का है जो आने वाले समय में भारत की इस गौरवगाथा को और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। समुद्र हमें सिखाता है कि शांत रहकर भी विशाल कैसे बना जाता है और चुनौतियों के थपेड़ों को सहकर भी अपनी मंजिल कैसे पाई जाती है।

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकता: लोकतंत्र के लिए चुनौती

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं।

ललित गर्ग

यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)।

खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना चाहिए, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता।

किशन सनमुखदास भावनानी

आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षो से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैंः अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब मंव नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि खुलकर हंसना, मुस्कुराना,प्रसन्न रहना चाहिए,मन की प्रसन्नता खुदसृजित की हुई दवा के समान है।दुनियां में मन का संतोष प्रसन्नता खुशी और अच्छी सेहत ही सबसे बड़ी पूंजी है।आज की दुनियां मे वो सबसे अधिक खुश है जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन है। (-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र)।

फिजियोथेरेपी कॉलेज का भूमिपूजन, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आमाखेरवा ग्राउंड, में नवीन फिजियोथेरेपी कॉलेज के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। करीब 1393.71 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस कॉलेज का शुभारंभ मंत्री जायसवाल ने पूजा-अर्चना के साथ किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत वंदे मातरम् जन गण मन और छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत 'अरपा पैरी के धार' के साथ हुई। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य राहुल जैन ने फिजियोथेरेपी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धति का अहम हिस्सा है जो विभिन्न शारीरिक समस्याओं के उपचार में प्रभावी भूमिका निभाती है

अपने संबोधन में मंत्री जायसवाल ने कहा कि एमसीबी जिले में विकास कार्य लगातार जारी हैं और यह कॉलेज स्वास्थ्य सेवाओं तथा चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा देगा उन्होंने कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर काम करते हुए क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने जानकारी दी कि जल्द ही जिले में नर्सिंग कॉलेज की शुरुआत भी की जाएगी और मेडिकल कॉलेज व फिजियोथेरेपी कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा उन्होंने बताया कि 108 संजीवनी एम्बुलेंस सेवा के तहत जिले को 12 नई एम्बुलेंस मिल चुकी हैं जिससे आपातकालीन सेवाएं मजबूत होंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम जनमन

योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही जिले में सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी जिससे लोगों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, रीमा यादव, सरपंच बुद्धू सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया 15 बेड नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 28 में 15 बेड के अत्याधुनिक नशा मुक्ति केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया समाज कल्याण विभाग के प्रयासों से स्थापित यह केंद्र नशा पीड़ित व्यक्तियों के उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास के लिए समर्पित रहेगा। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार है, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम भी है इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल (लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग), चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, समाज कल्याण विभाग के संचालक प्रभाकर कुमार द्विवेदी, उपसंचालक अंजना बैग तथा नशा मुक्ति केंद्र के अधीक्षक अंकित खटीक सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे इस दौरान मुख्य अतिथि और जनप्रतिनिधियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई साथ ही 15 बेड नशा मुक्ति केंद्र का मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया गया अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं बल्कि एक नई सोच नई दिशा और सशक्त समाज के निर्माण की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है यह धीरे-धीरे युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और भविष्य को समाप्त कर देता है।

खड़े ट्राले से टकराई कार फिर डिवाइडर पर चढ़ी, 2 लोगों की मौत 1 गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर निटाया के पास शनिवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकराने के बाद डिवाइडर से जा टकराई हादसे में कार सवार हिंगनघाट (नागपुर) निवासी विशाल बाड़कुरे (28) और मासोध (मुलताई) निवासी ज्ञान सिंह (62) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चालक रूपेश गहलोत गंभीर रूप से घायल है तीनों कार से रिश्तेदारी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागपुर से शाजापुर के बेरछा जा रहे थे वर्तमान में पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा दिया है और घायल चालक का सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है जानकारी के मुताबिक कार काफी तेज रफ्तार में थी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्राले से टकरा गई और फिर डिवाइडर से भिड़ गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची ईएमटी विसराम अहिरवार ने मौके पर ही घायल चालक रूपेश गहलोत को प्राथमिक उपचार देकर उनकी स्थिति को संभाला इसके बाद एंबुलेंस की मदद से घायल को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है हादसे की जानकारी मिलने के बाद एएसआई दीपक पाराशर मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन भी पहुंच गए जिसके बाद सुबह पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

रेप के बाद मर्डर, सिंहदेव बोल आरोपी को फांसी हो :मृत महिला का अंबिकापुर में हुआ अंतिम संस्कार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (निप्र)। अंबिकापुर के रिंगरोड में महामाया प्रवेश द्वार के पास महिला की रेप के बाद सिर कुचलकर हत्या के आरोपी को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने फांसी दिए जाने की मांग की है उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि अंबिकापुर रो रहा है और हर संवेदनशील आंख शर्म से झुकी हुई है पुलिस ने मृतक महिला की शिनाख्त कर ली है महिला का अंतिम संस्कार एक संस्था अनोखी सोच के सदस्यों ने किया मृतक के बेटे ने अंतिम संस्कार किया महिला कई सालों से परिवार से अलग अंबिकापुर में रह रही थी। मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध की पहचान कर ली है अंबिकापुर में महामाया मंदिर प्रवेश द्वार के पास सड़क किनारे मटन, मछली शॉप में शुक्रवार सुबह महिला का नग्न शव मिला था मृतका के प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल मिल प्राथमिक जांच में महिला के साथ रेप के बाद उसकी सिर कुचलकर हत्या करने की पुष्टि हुई है गले में भी निशान मिले हैं पुलिस जांच के दौरान मृतका की शिनाख्त कर ली गई है। महिला की उम्र करीब 45 वर्ष है जो लखनपुर थाना क्षेत्र की है। वह कई वर्षों से परिवार से अलग अंबिकापुर के गंगापुर में बेटे के साथ रह रही थी महिला की पहचान उसके बेटे ने की चूंकि बेटा अकेला था इसलिए पुलिस ने अनोखी सोच संस्था को इसकी जानकारी दी तो संस्था के सदस्यों ने गंगापुर मुक्तिधाम में महिला के शव का अंतिम संस्कार कराया। मामले की जांच कर रही पुलिस ने कुछ सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किया है। एक फुटेज में महिला एक व्यक्ति के साथ रात करीब 1 बजे घटनास्थल की ओर जाते हुए दिखाई दे रही है। महिला ने व्यक्ति के कंधे पर हाथ भी रखा हुआ था। घटनास्थल पर परदा लगा था जिसकी आड़ में दोनों ने खाना भी खाया था पुलिस ने आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की जांच की एक कैमरे में संदिग्ध कैद हुआ है जिसमें उसका चेहरा स्पष्ट नजर आ रहा है पुलिस ने संदिग्ध पांडा उर्फ मिथुन की पहचान कर ली है संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापे मारे जा रहे हैं।

जिले में नवजात बच्ची सुनसान घर में मिली, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बच्ची की हालत स्थिर

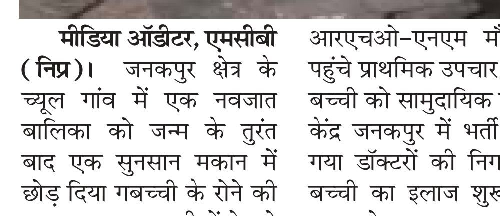

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनकपुर क्षेत्र के च्यूल गांव में एक नवजात बालिका को जन्म के तुरंत बाद एक सुनसान मकान में छोड़ दिया गबच्ची के रोने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने उसे बचाया। रात के समय गांव के एक सुनसान मकान से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो एक नवजात बच्ची अकेली पड़ी थी उन्होंने तुरंत बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। ग्रामीणों ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी उप स्वास्थ्य केंद्र की टीम और आरएचओ-एनएम मौके पर पहुंचे प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में भर्ती कराया गया डॉक्टरों की निगरानी में बच्ची का इलाज शुरू किया गया। बेहतर उपचार के लिए उसे सिविल अस्पताल मनेन्द्रगढ़ रेफर किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बच्ची की हालत स्थिर है और उसकी लगातार देखरेख की जा रही है प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात महिला ने सुनसान घर में बच्चे को जन्म दिया और फिर उसे वहीं छोड़कर चली गई।

पाकिस्तानी मूल के युवक को जिंदा दफनाया, 4 थानों से होते हुए ऑटो में ले गए; गर्लफ्रेंड को परेशान करने पर हत्या

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। बॉयफ्रेंड ने उसकी प्रेमिका को परेशान करने वाले युवक को जिंदा जमीन में दफना दिया लाठी से हमला करने पर युवक बेहोश हो गया था आरोपी उसी हालत में युवक को माना से अभनपुर ऑटो में लेकर गए जहां खदान में जमीन खोदकर दफना दिया घटना के 5 दिन बाद उसकी लाश मिली थी। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है मृतक पाकिस्तानी मूल का था उसे भारतीय नागरिकता नहीं मिली थी रायपुर में रहकर वह ठेकेदारी कर रहा पीएम रिपोर्ट में मुंह और सांस नली में मिट्टी जाने से मौत की पुष्टि हुई है मर्डर में गर्लफ्रेंड समेत 6 आरोपी शामिल है पुलिस ने 5 को गिरफ्तार किया है जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक को

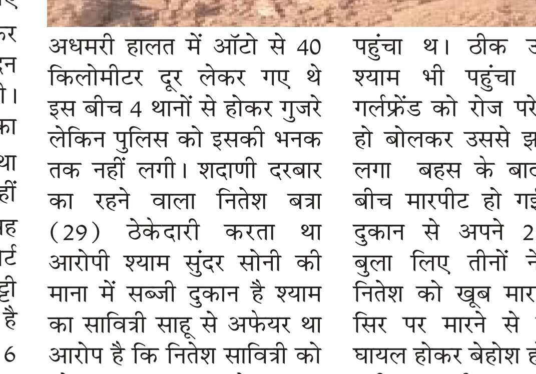

अधमरी हालत में ऑटो से 40 किलोमीटर दूर लेकर गए थे इस बीच 4 थानों से होकर गुजरे लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। शदाणी दरबार का रहने वाला नितेश बत्रा (29) ठेकेदारी करता था आरोपी श्याम सुंदर सोनी की माना में सब्जी दुकान है श्याम का सावित्री साहू से अफेयर था आरोप है कि नितेश सावित्री को परेशान करता था उसे अक्सर फोन किया करता था। 16 मार्च की रात वह सावित्री के घर माना पहुंचा था। ठीक उसी टाइम श्याम भी पहुंचा और मेरी गर्लफ्रेंड को रोज परेशान करते हो बोलकर उससे झगड़ा करने लगा बहस के बाद दोनों के बीच मारपीट हो गई श्याम ने दुकान से अपने 2 कर्मचारी बुला लिए तीनों ने मिलकर नितेश को खूब मारा लाठी से सिर पर मारने से वह गंभीर घायल होकर बेहोश हो गया था। इसी अधमरी हालत में उसे ऑटो में बैठाकर ठिकाने लगाने अभनपुर ले गए और उसकी स्कूटी को बीच में पुलिया में फेंक दिया इस दौरान आरोपी ऑटो से 4 थानों से होकर गुजरे मुजगहन, माना, टिकरापारा और अभनपुर थाना होते हुए 35-40 किलोमीटर सफर कर नितेश को लेकर भरेंगाभाटा गांव पहुंचे जहां रात के अंधेरे में ऑटो से बाहर उतारकर फिर उसे मुक्का ही मुक्का मारा और गमछे से लगा घोटने की कोशिश की उसके बाद परसुलीडीह और भरेंगाभाठा के बीच मुरूम खदान में ले जाकर नितेश बत्रा को दफना दिया वारदात के बाद सब फरार हो गए थे सांस नली में मिट्टी भर जाने से गई थी जान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि युवक की मौत गला दबाने और जिंदा दफनाने से हुई सांस नली में मिट्टी भर जाने से उसकी जान गई।

शादीशुदा महिला ने 16 साल के लड़के से रेप किया, इंस्टाग्राम में हुई थी फ्रेंडशिप

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में नाबालिग लड़के से रेप के आरोप में पुलिस ने शादीशुदा महिला को गिरफ्तार किया है ख्याति विश्वकर्मा (25) ने लव मैरिज किया है लेकिन उसका 16 साल के लड़के से अफेयर था इंस्टाग्राम पर दोनों की फ्रेंडशिप हुई जिसके बाद बातचीत और मुलाकात का सिलसिला शुरू हुआ। 1 अप्रैल को ख्याति ने नाबालिग को भोरमदेव रोड स्थित होटल बुलाया जहां उसे इमोशनली ब्लैकमेल कर संबंध बनाए गलत होने का एहसास होने के बाद उसने हिम्मत जुटाकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है आरोपी महिला पर पॉस्को एक्ट के तहत अपराध दर्ज हुआ है। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके मुताबिक महिला ने उस पर भावनात्मक दबाव बनाकर दुष्कर्म किया घटना के बाद आरोपी ने पीड़ित को डराया-धमकाया जिससे वह मानसिक दबाव में आ गया और उस समय शिकायत दर्ज नहीं करा सका बाद में हिम्मत जुटाकर पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के बाद कबीरधाम पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की प्रकरण में कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिलासपुर में सहकारी समिति से 28 लाख का धान गायब: 919 क्विंटल धान की हेराफेरी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में सेवा सहकारी समिति से 28 लाख रुपए से अधिक की धान की हेराफेरी करने का मामला सामने आया जांच में पता चला कि समित के अध्यक्ष समेत 3 लोगों ने कागजों में धान की खरीदी कर ली। लेकिन भौतिक सत्यापन में 919.96 क्विंटल धान कम मिला। विभागीय रिपोर्ट पर पुलिस ने अध्यक्ष समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं खरीदी प्रभारी और एक अन्य कर्मचारी की भूमिका की जांच की जा रही है पूरा मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल कलेक्टर संजय अग्रवाल को खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी में गतौरा से गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थीं उनके निर्देश पर जब संयुक्त जांच दल ने केंद्र का भौतिक सत्यापन किया तो स्टॉक रजिस्टर और गोदाम में रखे धान में अंतर मिला। मौके पर कुल 919.96 क्विंटल धान कम पाया गया जो शासन के निर्देशों का खुला उल्लंघन है पुलिस की जांच में पता चला कि सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक कोमल चंद्राकर प्राधिकृत अध्यक्ष राजेंद्र राठौर और कंप्यूटर ऑपरेटर हुलेश्वर धीरही ने आपस में मिलीभगत कर धान का गबन किया है तीनों ने सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर धान की बंदरबांट की जिससे शासन को 28.51 लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ। पकड़े गए तीनों आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार किया है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है अब उनके बयान के आधार पर धान खरीदी प्रभारी लव कुमार यादव और एक अन्य व्यक्ति की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।

बिलासपुर में फर्जी मैट्रिमोनियल एजेंटों का गैंग :पैसे लेकर लड़कियों की फर्जी प्रोफाइल बनाते, खुद करते थे बातचीत शिकायत पर चार गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले मैट्रिमोनियल एजेंटों के गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग युवकों से पैसे लेकर लड़कियों की फर्जी प्रोफाइल बनाते और उन्हें आकर्षित करने के लिए खुद बातचीत करते थे यह नेटवर्क कॉल सेंटर के जरिए चला रहे थे मामले का खुलासा तब हुआ जब बिहार के युवक ने इसकी पुलिस थाने में ऑनलाइन शिकायत की कि शादी के लिए योग्य लड़की का प्रोफाइल देने का झांसा देकर उससे 10 हजार रुपए ले लिए लेकिन पैसे देने के बाद उसे कोई भी प्रोफाइल नहीं दी गई तब उसे समझ आया कि उसके साथ ठगी हुई है। शिकायत के बाद जब पुलिस ने म्यूल अकाउंट की जांच की तब इस गैंग का पता चला पुलिस ने मैरिज ब्यूरो ऑफिस के कॉल सेंटर में दबिश

देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। दरअसल पुलिस म्यूल अकाउंट (दूसरों के नाम पर खुले बैंक खाते) की जांच कर रही थी इसी दौरान पता चला कि जिस व्यक्ति के नाम पर खाता है उसे कोई और चला रहा है जांच में यह भी सामने आया कि इन खातों में मैरिज ब्यूरो के नाम पर पैसे जमा किए जा रहे थे।

कॉल सेंटर बनाकर चला रहे थे नेटवर्क: सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया की टीम जब म्यूल बैंक खातों की जांच कर रही थी तब पता चला कि मैरिज ब्यूरो के नाम पर ऐसे गैंग लोगों से ठगी कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच की और सरकंडा व कोतवाली थाना क्षेत्र में चल रहे कॉल सेंटरों के बारे में जानकारी जुटाई इसके बाद पुलिस ने मैरिज ब्यूरो के इन कॉल सेंटरों पर छापा मारा जहां संचालक और उनके साथी काम करते हुए मिले। पूछताछ में पूरे गैंग और उनके नेटवर्क का खुलासा हो गया सीएसपी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि गैंग के लोग शादी के लिए इच्छुक लोगों को झांसा देते थे और उनसे पैसे जमा करवा लेते थे इसके बाद ग्राहकों को फंसाने के लिए ये फर्जी प्रोफाइल बनाते थे और उनसे बातचीत करते थे ताकि लोग भावनात्मक रूप से जुड़ जाएं और उनके मैरिज ब्यूरो पर भरोसा कर लें। म्यूल खातों की जांच की तो पता चला कि इन खातों के जरिए लाखों रुपए का लेन-देन किया गया है यह भी सामने आया कि जिन लोगों के नाम पर खाते थे वे खुद उनका इस्तेमाल नहीं करते थे बल्कि ठगी करने वाला गैंग ही उन्हें चला रहा था। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चांटीडीह के वकील फुलेश्वर प्रसाद श्रीवास (40) भी शामिल हैं इसके अलावा जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ सैदा के महारथी साहु (31), चांटीडीह के तरुणा उर्फ सोनू खरे (40) और खमतराई अशोक नगर की नीरा बाथम (32) को भी गिरफ्तार किया गया है। सीएसपी सिंह ने बताया कि बिहार के एक युवक ने ऑनलाइन शिकायत की थी। उसे शादी के लिए अच्छी लड़की का प्रोफाइल देने का झांसा देकर 10 हजार रुपए जमा कराए गए थे लेकिन पैसे लेने के बाद उसे कोई भी प्रोफाइल नहीं दिया गतब उसे समझ आया कि उसके साथ ठगी हुई है।

5 अप्रैल को 4 ट्रेनें रद्द: रेल प्रशासन ने किया खेद व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रेलवे प्रशासन ने 5 अप्रैल को रायपुर-बिलासपुर मेमू और बिलासपुर-रायपुर मेमू सहित चार ट्रेनों को रद्द कर दिया है यह निर्णय रायपुर-उरकुरा-मांढर सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य के कारण लिया गया है बिलासपुर मंडल से संबंधित कुछ अन्य गाड़ियों का परिचालन भी इस कार्य से प्रभावित होगा रेल प्रशासन ने यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है गोंदिया से चलने वाली गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारंभ होगी और गोंदिया-बिलासपुर के मध्य रद्द रहेगी। झारसुगुड़ा से चलने वाली गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन में समाप्त होगी और बिलासपुर-गोंदिया के मध्य रद्द रहेगी।

रतलाम फोरलेन पर स्लीपर बस पीछे से ट्रॉले में घुसी:5 घायल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। मंदसौर-रतलाम फोरलेन पर शनिवार सुबह जोधपुर से इंदौर जा रही स्लीपर बस सीमेंट से भरे ट्रॉले में पीछे से जा घुसी। बस की रफ्तार तेज थी। इससे बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पांच लोग घायल हुए है, जिन्हें जावरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसा सुबह करीब 7 बजे जिले के फोरलेन स्थित ढोढर के कालूखेड़ा फंटा के यहां हुआ। फोरलेन पर स्पीड ब्रेकर के कारण ट्रॉले ने अपनी स्पीड कम की। इससे पीछे तेज रफ्तार में आ रही एमआर स्लीपर बस का ड्रायवर अपनी स्पीड कंट्रोल नहीं कर पाया। आगे चल रहे ट्रॉले में बस जा घुसी। हादसे के समय अधिकतर यात्री नींद में थे। टक्कर होते ही बस में सवार यात्रियों की चीख-पुखार मच गई। आसपास के रहवासी दौड़े। ढोढर पुलिस चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घायलों को तुरंत बस से निकालकर जावरा सरकारी अस्पताल भेजा हादसे में बस के आगे का कांच पूरा टूट गया। आगे का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

क्रेन से बस को किया अलग : हादसे के बाद रोड पर एक तरफ कुछ देर के लिए मार्ग बाधित हुआ। क्रेन के माध्यम से बस को ट्रॉले से निकाल एक तरफ किया। घटना के बाद बस ड्रायवर मौके से फरार हो गया। ढोढर पुलिस चौकी घटनाक्रम की जांच कर रही है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया ट्रॉला स्पीड ब्रेकर क्रॉस कर रहा था। पीछे से स्लीपर बस ड्रायवर बस की स्पीड कंट्रोल नहीं कर पाया। इससे बस ट्रॉले में जा घुसी। पांच घायलों को जावरा में भर्ती कराया है।

खड़े ट्राले से टकराई कार फिर डिवाइडर पर चढ़ी:नर्मदापुरम में 2 लोगों की मौत

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर निटाया के पास शनिवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकराने के बाद डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में कार सवार हिंगनघाट (नागपुर) निवासी विशाल बाड़कुरे (28) और मासोध (मुलताई) निवासी ज्ञान सिंह (62) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक रूपेश गहलोत गंभीर रूप से घायल है। तीनों कार से रिश्तेदारी के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागपुर से शाजापुर के बेरछा जा रहे थे। वर्तमान में पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा दिया है और घायल चालक का सरकारी अस्पताल नर्मदापुरम में इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक कार काफी तेज रफ्तार में थी। अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्राले से टकरा गई और फिर डिवाइडर से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

ईएमटी ने दिया प्राथमिक उपचार, अस्पताल में भर्ती है चालक : घटना की सूचना मिलते ही इटारसी से 108 एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। ईएमटी विसराम अहिरवार ने मौके पर ही घायल चालक रूपेश गहलोत को प्राथमिक उपचार देकर उनकी स्थिति को संभाला। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से घायल को सरकारी अस्पताल नर्मदापुरम पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

एएसआई मौके पर पहुंचे, सुबह हुआ पोस्टमार्टम : हादसे की जानकारी मिलने के बाद एएसआई दीपक पाराशर मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन भी नर्मदापुरम पहुंच गए, जिसके बाद शनिवार सुबह पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

बैतूल–नागपुर फोरलेन पर आईसर की टक्कर से युवती की मौत

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल-नागपुर फोरलेन पर शनिवार दोपहर एक सड़क हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा दोपहर करीब 1 बजे ससुन्द्रा चेक पोस्ट के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, अंबाड़ा निवासी 27 वर्षीय अमन गुजरे अपनी बाइक से मुलताई की ओर जा रहे थे। उनके साथ 19 वर्षीय रोशनी (निवासी बानुर खापा) भी बाइक पर सवार थीं। बताया गया है कि रोशनी ने मुलताई जाने के लिए अमन से लिफ्ट ली थी। इसी दौरान, तेज रफ्तार से आ रहे एक आईसर वाहन ने बाइक को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।

युवक की हालत गंभीर : हादसे में युवती रोशनी के चेहरे पर गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अमन गुजरे के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलने पर एनएचएआई की एंबुलेंस पहुंची और घायल अमन गुजरे को तत्काल जिला अस्पताल बैतूल पहुंचाया गया। उन्हें सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

रायसेन में आंधी-बारिश से नुकसान, गेहूं की फसलें आड़ी हुई

किसान बोला- टालनी पड़ेगी बेटे की शादी; तापमान में 5 डिग्री की गिरावट

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में बुधवार-गुरुवार रात आए आंधी-तूफान और डेढ़ घंटे की बारिश से खेतों में खड़ी गेहूं की फसलें आड़ी हो गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

बारिश के कारण रामपुर मनियाखेड़ी रोड क्षेत्र के किसान मदन यादव को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसके चलते उन्हें अगले महीने होने वाली अपने बेटे की शादी टालनी पड़ रही है। मौसम विभाग ने 7 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान जताया है और शनिवार सुबह से भी बादल छाए हुए हैं, जिससे दिन के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। रामपुर मनियाखेड़ी रोड पर कई खेतों में गेहूं की फसलें तेज हवाओं और बारिश के कारण गिर गई हैं। पानी लगने से गेहूं की बालियां गीली हो गई हैं। इसके चलते अब इन आड़ी हो चुकी फसलों को हार्वेस्टर से काटना मुश्किल होगा। मजबूरी में किसानों को अब मजदूरों से कटाई करानी पड़ेगी, जिससे उनकी लागत बढ़ जाएगी।

5 एकड़ की कटी फसल भीगी, मां बीमार होने से नहीं हुआ रजिस्ट्रेशन : रामपुर मनियाखेड़ी रोड क्षेत्र के किसान मदन यादव के पास सात एकड़ जमीन है। बारिश के दौरान वह अपनी मां के साथ खेत पर पहुंचे और कटी हुई फसल को बचाने का प्रयास करते रहे। उन्होंने हार्वेस्टर से करीब पांच एकड़ फसल पहले ही कटवा ली थी, जो खेत में पड़ी थी। वहीं, दो एकड़ खड़ी फस आंधी-बारिश से पूरी तरह आड़ी हो गई।

मदन यादव ने बताया कि उनकी मां की तबीयत खराब होने के कारण गेहूं का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया था। इस कारण वे अपना गेहूं सरकारी खरीदी केंद्रों पर भी नहीं बेच पाएंगे।

कर्ज का बोझ, अगले महीने होने वाली बेटे की शादी टलेगी

सरकारी केंद्र पर गेहूं नहीं बेच पाने और बारिश से हुए इस बड़े आर्थिक नुकसान के कारण मदन यादव को अगले माह होने वाले अपने बेटे अमित यादव की शादी की तारीख आगे बढ़ानी पड़ेगी। किसान मदन यादव पर पहले से ही एक से डेढ़ लाख रुपए का कर्ज है।

तापमान में गिरावट, 7 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम

बदलते मौसम और आंधी-बारिश के चलते दिन और रात के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। रात का तापमान 4 डिग्री गिरकर 19 से 14 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। वहीं, दिन का तापमान 5 डिग्री गिरकर 39 से 34 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार 7 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है और शनिवार सुबह से भी आसमान में बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवाएं चल रही हैं।

खेत की रखवाली कर रहे मूक-बधिर युवक पर हमला

हमलावरों ने बेरहमी से पीटा, अस्पताल में भर्ती; पुलिस ने जांच शुरू की

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम मोरवा में देर रात एक मूक-बधिर युवक पर हमला किया गया। पूरन अहिरवार नामक युवक अपने खेत की रखवाली कर रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस पर बेरहमी से मारपीट की और मौके से फरार हो गए। पास मौजूद एक व्यक्ति ने घटना की जानकारी पूरन के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया और तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर

पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। युवक बोल और सुन नहीं सकता, जिसके कारण वह हमलावरों की पहचान करने में असमर्थ है। इस स्थिति के चलते पुलिस के लिए आरोपियों तक पहुंचना एक चुनौती बन सकती है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संभावित आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विदिशा की पॉश कॉलोनी में दो बड़ी चोरियां

सूने मकान से 15 तोला सोना, 1.5 किलो चांदी और 15 हजार नकद पार

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा शहर की पॉश कॉलोनी अरिहंत विहार में बीते दो दिनों में चोरी की दो वारदातें सामने आई हैं। अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान और एक हनुमान मंदिर को निशाना बनाया है। मकान से चोर 15 तोला सोने के जेवर, 1.5 किलो चांदी और 15 हजार रुपए नकद ले उड़े।

परिवार शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाड़ी और बेगमगंज गया हुआ था। वहीं, कॉलोनी के ही मंदिर से चोर देर रात दान पेटी चुरा ले गए। कोतवाली पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर जांच शुरू कर दी है।

शादी में गया था परिवार, चौथी मंजिल के रास्ते घर में घुसे चोर : अरिहंत विहार के थर्ड फेस में रहने वाले संजीव जैन का परिवार रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाड़ी और फिर

बेगमगंज गया हुआ था। शुक्रवार रात करीब 9 बजे जब परिवार घर लौटा, तो चोरी का खुलासा हुआ। घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था, लेकिन अंदर जाकर देखा तो अलमारी में रखे कीमती आभूषण और नगदी गायब थे। पीड़ित संजीव जैन के अनुसार, घर से करीब 15 तोला सोने के जेवर, डेढ़ किलो चांदी और 15 हजार रुपए नकद चोरी हुए हैं। जांच में घर की चौथी मंजिल की छत का दरवाजा खुला मिला है, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि चोर छत के रास्ते ही घर में दाखिल हुए थे। मौके पर मिला 20 का सिंदूर लगा नोट, कार का पाना और चाबियां घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध वस्तुएं भी मिली हैं। इनमें 20 रुपए का सिंदूर लगा नोट, एक पेन, कार का पाना और कुछ चाबियां शामिल हैं। सूने मकान के अलावा चोरों ने अरिहंत विहार स्थित हनुमान मंदिर में भी देर रात घुसकर दान पेटी चुरा ली, जिससे स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से कॉलोनीवासियों में भय का माहौल है।

टीआई बोले- अंदर के दरवाजों के ताले टूटे हुए थे

कोतवाली थाना प्रभारी आनंद राज ने बताया कि, 'अरिहंत विहार में रहने वाले संजीव जैन पिछले तीन-चार दिनों से बाहर गए हुए थे। शनिवार रात जब वे घर पहुंचे तो बाहर का गेट बंद मिला, लेकिन अंदर के दरवाजों के ताले टूटे हुए थे।' उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। मंदिर में हुई चोरी के मामले की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही चोरियों का खुलासा करने का दावा किया है और फिलहाल आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सीहोर में सीवन नदी की सफाई:1 महीने में जुड़े 850 लोग

5 हजार का लक्ष्य; जलकुंभी निकालने 'सीवन पुत्रों' का अभिया

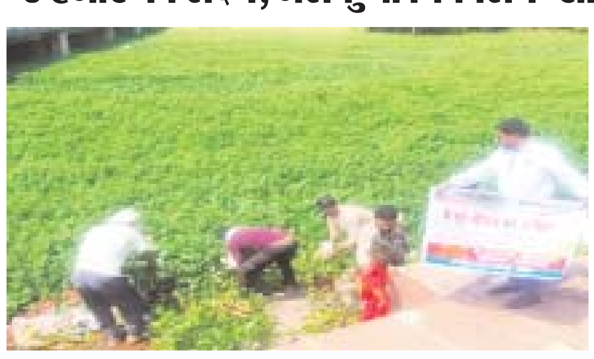

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर की जीवनदायिनी सीवन नदी को जलकुंभी से मुक्त कराने के लिए 'सीवन पुत्रों' समूह का सफाई अभियान एक महीने से जारी है। शनिवार सुबह हनुमान फाटक धाम स्थित नदी से जलकुंभी निकालने का कार्य किया गया।

नदी को उसके मूल स्वरूप में लाने के लिए वर्ष 2019 से चल रहे इस अभियान का लक्ष्य 5 हजार लोगों को जोड़ना है, जिसमें से अब तक 850 लोग जुड़ चुके हैं। अभियान को निरंतर जारी रखते हुए शहरवासियों से भी सीवन नदी के उत्थान के लिए आगे आने की अपील की गई है।

राम जी का गमछा पहनाकर किया श्रमिकों का स्वागत : सफाई अभियान में शामिल श्रमिकों का स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा श्री राम जी का गमछा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय टेबल टेनिस कोच रविंद्र सिंह चौहान, समाजसेवी सुमित ताम्रकार और एलआईसी अभिकर्ता सतीश कुमार सीठा ने जलकुंभी निकालने उतरे मजदूरों का सम्मान किया। जलकुंभी हटाने के लिए मजदूरों की व्यवस्था समाजसेवी सुमित ताम्रकार और सतीश कुमार सीठा की ओर से की गई थी। वहीं, रविंद्र सिंह चौहान ने भी तीन मजदूरों की व्यवस्था में सहयोग दिया।

2019 से जारी है संघर्ष, इन सदस्यों का रहा विशेष योगदान

समूह के प्रदीप चावड़ा ने बताया कि यह अभियान वर्ष 2019 से जारी है। यह पहल नदी को उसके मूल स्वरूप में लाने के संघर्ष का हिस्सा है, क्योंकि जलकुंभी की समस्या पूरे साल बनी रहती है। इस अभियान में मुकेश राय, प्रकाश यादव, राजकुमार सोनी, प्रदीप चावड़ा और कैलाश चव्हाण सहित अन्य सदस्यों ने विशेष योगदान दिया है। प्रदीप चावड़ा ने स्पष्ट किया कि यह सफाई अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सागर में बच्ची के तकिए के पास पहुंची नागिन

आवाज करने पर फ्रिज के नीचे छिपी; स्नेक कैचर ने किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के ग्राम बड़तूमा में शनिवार सुबह प्रशांत ठाकुर के घर में सो रही बच्ची के तकिए के पास एक ढाई फीट लंबी कोबरा प्रजाति की नागिन पहुंच गई। परिवार के सदस्यों द्वारा आवाज करने पर नागिन फ्रिज के नीचे जाकर छिप गई, जिसके बाद माता-पिता ने तुरंत बेटी को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर सागर से पहुंचे स्नेक कैचर बबलू पवार ने कुछ देर की मशक्कत के बाद नागिन का रेस्क्यू किया और वर्तमान में उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है। आवाज सुनकर फ्रिज के नीचे छिपी, माता-पिता ने बच्ची को निकाला शनिवार सुबह बड़तूमा निवासी प्रशांत ठाकुर के घर में एक नागिन घुस गई। नागिन घर में सो रही उनकी बच्ची के तकिए के पास बैठी थी। जैसे ही परिवार के सदस्यों ने उसे देखा और आवाज की, तो वह भागकर फ्रिज के नीचे छिप गई। घबराए माता-पिता ने तुरंत बेटी को उठाया और घर से बाहर आ गए। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को मामले की जानकारी दी।

निगरानी के निर्देश देकर सागर से पहुंचे स्नेक कैचर : मामले की जानकारी मिलने के बाद स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी गई। स्नेक कैचर ने परिवार को नागिन की निगरानी करने को कहा और सागर से बड़तूमा पहुंच गए। यहां रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया और कुछ देर की मशक्कत के बाद फ्रिज के नीचे छिपी नागिन को सुरक्षित पकड़ लिया गया।

स्नेक कैचर बोले- फ्रीज को हटाकर सांप को पकड़ा गया : स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि, 'बड़तूमा निवासी प्रशांत ठाकुर के मकान में सांप होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो उन्होंने बताया कि सांप बेटी के तकिए के पास बैठा था। आवाज सुनकर वह फ्रीज के नीचे छिप गया है। रेस्क्यू शुरू किया और फ्रीज को हटाकर सांप को पकड़ा गया। रेस्क्यू में पकड़ा गया सांप बेहद जहरीली कोबरा प्रजाति की नागिन थी, जिसकी लंबाई करीब ढाई फीट है। गनीमत रही कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और नागिन को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है।

मंदसौर में सड़क हादसे में मेडिकल संचालक की मौत

शादी समारोह से लौटते वक्त वाहन ने मारी टक्कर, परिवार के इकलौते बेटे थे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के गुर्जरबर्डिया गांव के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय मेडिकल संचालक पंकज की मौत हो गई। पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी निवासी पंकज पाटीदार पिता देवीलाल पाटीदार शहर के गोल चौराहा क्षेत्र में मेडिकल संचालित करते थे। जानकारी के अनुसार, पंकज शुक्रवार शाम करीब साढ़े 6 बजे अपनी मेडिकल दुकान से एक शादी में शामिल होने के लिए ग्राम डिगाव गए थे। रात करीब 10 बजे शादी समारोह से वापस अपने गांव देवरी लौटते समय गुर्जरबर्डिया गांव के पास उनकी मोटरसाइकिल को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के

बाद पंकज गंभीर रूप से ायल होकर सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़े रहे। रात का समय होने के कारण तुरंत किसी की नजर उन पर नहीं पड़ी। कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे लोगों ने उन्हें देखा और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। पंकज अपने पिता देवीलाल के इकलौते पुत्र थे। उनके असामयिक निधन से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता देवीलाल ने बताया कि वे शाम करीब 6 बजे बेटे से मिलकर घर लौटे थे और उसे समय पर घर आने की हिदायत भी दी थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस दर्दनाक हादसे ने उनसे उनका इकलौता सहारा छीन लिया। परिजनों के अनुसार, देवीलाल की स्वयं कोई संतान नहीं थी। उन्होंने अपने बड़े भाई भंवरलाल से पंकज को बचपन में गोद लिया था और उसे पाल-पोसकर बड़ा किया एवं शिक्षित किया। फिलहाल पंकज का शव जिला चिकित्सालय में रखवाया गया है। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

सर्पदंश से तीन साल की बच्ची की मौत

हरदा में मां के साथ सो रही थी, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी छीपानेर में एक तीन वर्षीय बालिका की सर्पदंश से मौत हो गई। शनिवार सुबह जिला अस्पताल में बालिका के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम छोटी छीपानेर निवासी नितेश उइके की पत्नी सीमा बाई और उनकी तीन साल की बेटी नावण्या उइके जमीन पर सो रही थीं। रात करीब 10:30 बजे एक जहरीले सांप ने बालिका के बाएं हाथ की हथेली पर डंक मार दिया। बेटी के रोने की आवाज सुनकर मां सीमा बाई की नींद खुली। उन्होंने देखा कि एक सांप वहां से जा रहा था। इसके बाद, उन्होंने तुरंत बालिका को अपने निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया।

आईपीएल 2026

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित मोदी, बीसीसीआई से की ये मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है। ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।' उन्होंने लिखा, 'अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता। वह पूरी तरह से घमंडी जोकर है। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे–ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। सत्ता में बैठे लोगों की चापलूसी करना उसे बचने का तरीका नहीं है। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे। दरअसल, एलएसजी और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच 1 अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में एलएसजी को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। गोयनका को सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका से जुड़े मीम्स वायरल हो रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि ऋषभ पंत और संजीव गोयनका के बीच क्या बात हुई, यह स्पष्ट नहीं है। एलएसजी ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते। मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, 'यह एक लंबा सीजन है, और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

आईपीएल 2026

एमए चिदंबरम में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने आयुष म्हात्रे

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के सातवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की भिड़ंत शुक्रवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ हो रही है। सीएसके के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। आयुष एमए चिदंबरम के मैदान पर अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। आयुष ने चेन्नई सुपर किंग्स के घरेलू मैदान एमए चिदंबरम में 18 साल 261 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। आयुष ने 19 साल की उम्र से पहले आईपीएल में सबसे ज्यादा 50 से अधिक रनों की पारी खेलने के मामले में पृथ्वी शॉ की बराबरी भी कर ली है। आयुष ने दूसरी बार आईपीएल में पचास रनों का आंकड़ा पार किया है। वहीं, पृथ्वी शॉ ने भी 19 साल की उम्र से पहले 2 बार आईपीएल में 50 से अधिक रनों की पारी खेली है। इस लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी (3 पचास प्लस स्कोर) पहले स्थान पर हैं। आयुष ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों में 73 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 169 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 6 चौके और 5 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन महज 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद आयुष ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर टीम की पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। ऋतुराज ने 22 गेंदों में 28 रन बनाए। हालांकि, आयुष एक छोर संभालकर खड़े रहे। आयुष के आगे पंजाब किंग्स के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। चेन्नई सुपर किंग्स ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। मैथ्यू शॉर्ट की जगह पर सीएसके ने प्रशांत वीर को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है। प्रशांत को सीएसके ने ऑक्शन में 14.20 करोड़ की बोली लगाते हुए खरीदा है। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत आईपीएल 2026 में अच्छी नहीं रही है। टीम को पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद मुकाबले के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

मोहाली, एजेंसी। टाटा आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच पंजाब किंग्स (PBKS) के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है। सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ होने वाले पंजाब के दूसरे घरेलू मैच के टिकटों की बिक्री आज, 3 अप्रैल 2026 से शुरू हो रही है। यह मुकाबला शनिवार, 11 अप्रैल को न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दोपहर 3:30 बजे खेला जाएगा। क्रिकेट प्रेमी आज शाम 4 बजे से जिला ऐप (Zila App) और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपनी सीटें बुक कर सकते हैं। जो प्रशंसक ऑफलाइन टिकट खरीदना चाहते हैं, उनके लिए 6 अप्रैल से निम्नलिखित स्थानों पर बॉक्स ऑफिस खोल दिए जाएंगे: न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़। आई.एस. बिंद्रा पीसीए स्टेडियम, मोहाली (गेट नंबर 2 और 2)।

विशेष नोट: Py पार्किंग बॉक्स ऑफिस केवल मैच के दिन ऑनलाइन टिकटों के रिडेम्पशन (Redemption) के लिए उपलब्ध होगा, यहाँ से नई टिकटें नहीं खरीदी जा सकेंगी।

टिकटों की दरें : विभिन्न श्रेणियों के लिए टिकटों की शुरुआती कीमतें इस प्रकार तय की गई हैं।

जनरल स्टैंड्स : 2,000 से शुरू। **हॉस्पिटैलिटी टिकट :** 8,500 से शुरू।

कॉर्पोरेट बॉक्स : 17,500 से शुरू।

घरेलू मैदान पर जीत का सिलसिला जारी रखने की चुनौती

सीजन के पहले मैच में गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हराकर पंजाब किंग्स ने अपने नए होम ग्राउंड पर शानदार आगाज किया था। भरे हुए स्टेडियम और प्रशंसकों के जबरदस्त शोर के बीच टीम के हौसले बुलंद हैं। अब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इस अहम मुकाबले में भी टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को उसी प्रकार के भारी घरेलू समर्थन की उम्मीद है, ताकि आईपीएल 2026 के खिताब की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए जा सकें।

सीएसके के खिलाफ टॉस जीतकर पंजाब किंग्स ने चुनी गेंदबाजी, प्रशांत वीर का डेब्यू

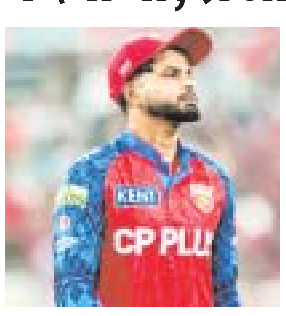

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के सातवें मुकाबले में एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की भिड़ंत पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ हो रही है। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पंजाब ने अपने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं, सीएसके की तरफ से प्रशांत वीर डेब्यू कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि पिच काफी ताजी नजर आ रही है और इसी कारण वह पहले गेंदबाजी करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह अपनी कलाई की चोट से उबर चुके हैं और पूरी तरह से फिट हैं। पंजाब किंग्स इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने वाली टीम के साथ ही मैदान पर उतरी है। टॉस हारने के बाद सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा, 'पिच थोड़ी सूखी लग रही है। मुझे नहीं लगता कि इसमें बहुत ज्यादा बदलाव आएगा। अभी अप्रैल की शुरुआत है, इसलिए ओस का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। बोर्ड पर अच्छा स्कोर बनाना और उसे डिफेंड करना सही रहेगा। पिछले सीजन में हमारा समय थोड़ा मुश्किल रहा था। कुछ गलतियां और चूक हुई थीं, जो टी20 गेम में हो सकती हैं। हालांकि, वह सब अब पुरानी बात हो गई है। अब हर मैच पर अलग से ध्यान देना है और एक-एक करके आगे बढ़ना है। सीएसके फ्रेंचाइजी के लिए यही सबसे अहम बात रही है–एक मजबूत टॉप ऑर्डर और ओपनर्स द्वारा अच्छी शुरुआत। इसी वजह से मैंने संजू सैमसन के साथ पार्टनरशिप की है। टीम में एक बदलाव है। मैथ्यू शॉर्ट की जगह प्रशांत वीर खेल रहे हैं। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 का आगाज जीत के साथ किया है। टीम ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट से जीत दर्ज की थी।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह ने की डीसी-एमआई के खिलाड़ियों संग खास मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह ने शुक्रवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाड़ियों संग खास मुलाकात की। उन्होंने आईपीएल 2026 में डीसी की टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ शनिवार को होने वाले मुकाबले के लिए शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों संग हुई मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आज अरुण जेटली स्टेडियम का दौरा किया और कल होने वाले दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल के बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले खिलाड़ियों से बातचीत की। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल और उनकी टीम से मिलकर मैंने उन्हें खेल भावना से भरे और दमदार प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं, क्योंकि वे इस सीजन का अपना दूसरा मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलने वाले हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'इसके अलावा, मुंबई इंडियंस टीम के रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव से भी बातचीत की। ऐसी विश्व-स्तरीय प्रतिभा और अनुभव को भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ रूप का प्रतिनिधित्व करते देखना हमेशा ही उत्साहजनक होता है। मुकाबले से परे, खेल एकता और राष्ट्रीय गौरव की साझा भावना को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम बना हुआ है। कामना है कि यह मैच सच्ची खेल भावना का उत्सव बने और राष्ट्रीय राजधानी में सभी प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक अनुभव साबित हो।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 का आगाज जीत के साथ किया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में डीसी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स की पूरी टीम 141 रन बनाकर ढेर हो गई थी। दिल्ली ने 142 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 4 विकेट खोकर 17.1 ओवर में हासिल कर लिया था। टीम की ओर से समीर रिजवी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 70 रनों की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने अपनी इस इनिंग में 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया था।

सब-जूनियर नेशनल हॉकी: तीसरे दिन गोवा उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश ने दर्ज की जीत

राजगीर (बिहार), एजेंसी। शुक्रवार को बिहार के राजगीर स्थित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दिन गोवा, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश ने अपने-अपने मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की। डिवीजन सी के मुकाबले में गोवा हॉकी ने पूल बी में राजस्थान को 7-0 से हराया। करण कुमार (2वें, 12वें, 44वें मिनट) ने हैट्रिक लगाई, जबकि साहिल प्रमोद (17वें मिनट), दिलशाद अली (27वें मिनट), श्रेयस हुंड्रे चांगदेव (30वें मिनट) और अंकित (38वें मिनट) ने भी गोल किए। डिवीजन बी के मुकाबले में हॉकी उत्तराखंड ने बंगाल को 5-2 से हराया। विक्की सिंह बोहरा (पहले, 4वें मिनट) ने दो गोल करके उत्तराखंड को शुरुआती बढ़त दिलाई, जिसके बाद गोविंद सिंह (7वें, 60वें मिनट) ने भी दो गोल किए, जबकि अमन कुमार (52वें मिनट) ने एक और गोल जोड़ा। हॉकी बंगाल की ओर से कप्तान रिजू बार (9वें मिनट) और सुजल तुरी (22वें मिनट) ने गोल किए। डिवीजन बी के एक अन्य मुकाबले में हॉकी अरुणाचल ने बिहार को 4-2 से हराया। हॉकी अरुणाचल के लिए शुभम राजभर (7वें मिनट), दीपक राव (24वें मिनट), रमन सिंह (34वें मिनट) और मोहित यादव (38वें मिनट) ने गोल किए, जबकि हॉकी बिहार के लिए सुमन कुमार (2वें मिनट) और कप्तान अभय शाह (58वें मिनट) ने गोल दागे। इससे पहले, गुरुवार को 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन आंध्र प्रदेश, मिजोरम, दिल्ली हॉकी, तेलंगाना हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी ने अपने-अपने मुकाबले जीत थे। पूरे भारत से कुल 30 टीमें डिवीजन 'ए', डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन (ऊपरी या निचली श्रेणी में जाना) इस टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ा देगा। डिवीजन 'ए' की टीमें चैंपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करेंगी, वहीं डिवीजन 'बी' और 'सी' की शीर्ष दो टीमें प्रमोशन हासिल करेंगी। दूसरी ओर, डिवीजन 'ए' और 'बी' की सबसे नीचे रहने वाली दो टीमों को रेलिगेशन का सामना करना पड़ेगा। डिवीजन 'ए' में 12 टीमें होंगी जिन्हें चार पूल में बांटा जाएगा। इसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और 12 अप्रैल को फाइनल मैच खेला जाएगा। पूल ए में हॉकी पंजाब, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी महाराष्ट्र शामिल हैं। पूल बी में हॉकी झारखंड, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी, और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु शामिल हैं। पूल सी में उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी हरियाणा और मणिपुर हॉकी शामिल हैं, जबकि पूल डी में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और केरल हॉकी शामिल हैं। डिवीजन 'बी' लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें दो पूल होंगे। पूल ए में दिल्ली हॉकी, हॉकी गुजरात, हॉकी बंगाल, तेलंगाना हॉकी और हॉकी उत्तराखंड शामिल हैं। पूल बी में हॉकी कर्नाटक, छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी अरुणाचल, हॉकी हिमाचल और बिहार को रखा गया है।

लेबनान में हिज्बुल्लाह को निरस्त्र करना इजरायल का मुख्य लक्ष्य : रक्षा मंत्री काट्ज

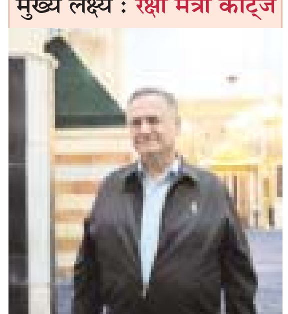

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने शुक्रवार को दोहराया कि लेबनान में देश का प्रमुख लक्ष्य हिज्बुल्लाह को सैन्य और राजनीतिक तरीकों से निरस्त्र करना है। 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' की रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा के बाद काट्ज ने कहा, 'लेबनान में इजरायल की नीति स्पष्ट रही है और आगे भी रहेगी। सबसे बड़ा मकसद मिलिट्री और पॉलिटिकल तरीकों से हिज्बुल्लाह को हटाना है, चाहे ईरान का मुद्दा कुछ भी हो।' काट्ज ने कहा कि इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) दक्षिणी लेबनान में अपनी जमीनी कार्रवाई उस सीमा तक पूरी कर रही है, जहां से हिज्बुल्लाह इजरायल पर एंटी-टैंक मिसाइल हमले कर सकता है।

क्या आरसीबी 5 विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेल रही है विराट कोहली ने दिया मजेदार जवाब

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल 2025 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 की शुरुआत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ धमाकेदार जीत के साथ की। आरसीबी का अगला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ रविवार को है। इस मैच से पहले आरसीबी ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और नागा का वीडियो अपने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में विराट ने अपने विदेशी खिलाड़ी होने के आरोप का जवाब मजेदार अंदाज में दिया है। नागा ने विराट से पूछा कि लोग कह रहे हैं कि आरसीबी प्लेइंग इलेवन में 5 विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेल रही है। इसके जवाब में विराट ने कहा, 'क्या आपको लगता है कि मैं विदेशी खिलाड़ी हूं आप ये सवाल विदेशी खिलाड़ियों से पूछिए। मैं विदेशी खिलाड़ी नहीं हूं।' आईपीएल के नियम के मुताबिक किसी भी टीम की प्लेइंग इलेवन में सिर्फ 4 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। विराट कोहली लंदन में रहते हैं और अंतरराष्ट्रीय मैचों या फिर आईपीएल के लिए भारत आते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर उन पर विदेशी खिलाड़ी होने के मीम्स बनाए जाते हैं। आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद कैसा महसूस हुआ इसके जवाब में कोहली ने कहा, लंबे समय से हमें इस खिताब का इंतजार था। जीतने के बाद काफी हल्का महसूस हुआ। विराट, आप हर साल नए हेयरस्टाइल और टैटू के साथ आते हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि आप इसकी तैयारी कैसे करते हैं। क्या आप अपने लुक के बारे में 5-6 लोगों के साथ चर्चा करते हैं विराट ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'क्या आपको लगता है कि मैं अपना लुक दिखाने के लिए आता हूं मुझे जिस तरह का हेयरस्टाइल और टैटू अच्छा लगता है, मैं वैसा करवाता हूं। अगर आपको अच्छा महसूस होता है, तो आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं। टीम में आ रही नई प्रतिभाओं से असुरक्षा पर कोहली ने कहा कि मुझे कई दिक्कत नहीं है। विराट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं आपके साथ हो जाउंगाा। राजा बाबू फिल्म की तरह आप राजा बाबू बनना और मैं शक्ति कपूर बनूंगा। जीत के वास्तविक अर्थ पर कोहली ने कहा कि 'जीत कड़ी मेहनत, खेल के प्रति कमिटेड रहने के लिए आपके किए गए सभी त्यागों का नतीजा है। यह सब एक तरह का भरोसा, एक इनाम, यह जानने के रूप में आता है कि आपने अपना समय बर्बाद नहीं किया है।

रीवा में मौत का पुल! दरका बीहर नदी पुल, 4 इंच धंसा न डायवर्सन, न सुरक्षा; DPR बनाने वाली कंपनी पर लगे आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रतहरा से चोरहटा तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित बीहर नदी पुल अब लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पुल में आई खतरनाक दरारें और करीब 3 से 4 इंच तक का धंसाव इस बात का संकेत दे रहे हैं कि यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अब तक न तो प्रशासन ने कोई ठोस कदम उठाया है और न ही लोगों के लिए डायवर्सन (वैकल्पिक मार्ग) की व्यवस्था की गई है। यह पुल न केवल स्थानीय ग्रामीणों बल्कि अंतरराज्यीय यातायात के लिए भी बेहद अहम है। रोजाना उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र से आने-जाने वाले भारी वाहन इसी पुल से गुजरते हैं। ट्रकों और बसों का लगातार दबाव इस जर्जर पुल की हालत को और खराब कर रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पुल की स्थिति लंबे समय से खराब थी लेकिन हाल ही में इसमें आई दरार और धंसाव ने खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। पुल के एक हिस्से में साफ झुकाव नजर आता है और वाहन गुजरते समय तेज झटका महसूस होता है। कई बार छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं लेकिन प्रशासन अब भी आंखें मूंदे बैठा है। सबसे गंभीर लापरवाही यह है कि इतनी खतरनाक स्थिति के बावजूद यहां कोई डायवर्सन तक नहीं बनाया गया है। अगर अचानक पुल का कोई हिस्सा टूटता है या और अधिक धंस जाता है तो वाहन सीधे नीचे गिर सकते हैं जिससे भारी जनहानि हो सकती है। पुल के नीचे गहराई होने के कारण हादसा और भी भयावह रूप ले सकता है।

इस पूरे मामले में 4-लेन सड़क परियोजना के लिए छ्वक्क (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने वाली कंपनी की भूमिका भी अब सवालों के घेरे में है। आरोप है कि DPR में ही पुल की वास्तविक स्थिति भार क्षमता और भविष्य के दबाव का सही आकलन नहीं किया गया। यही वजह है कि आज पुल पर बढ़ते भार के चलते यह स्थिति उत्पन्न हो गई है। इतना ही नहीं यह भी आरोप सामने आ रहा है कि एक ओर नया निर्माण दिखाया जा रहा है जबकि दूसरी ओर पुराने जर्जर पुल के हिस्से को ही उपयोग में लाकर काम पूरा करने की कोशिश की जा रही है। यानी कागजों में विकास और जमीनी हकीकत में खतरा यह विरोधाभास अब लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर DPR सही और पारदर्शी तरीके से तैयार की गई होती तो आज यह स्थिति नहीं बनती। अब सवाल यह उठता है कि क्या DPR तैयार करने वाली एजेंसी की लापरवाही की जांच होगी? और क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी?

स्थानीय नागरिकों में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश है। अब लोग प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में पुल की तकनीकी जांच डायवर्सन की तत्काल व्यवस्था भारी वाहनों पर रोक और पूरे पुल का नए सिरे से निर्माण शामिल है।

फिलहाल हालात बेहद चिंताजनक हैं और हर दिन हजारों लोग अपनी जान जोखिम में डालकर इस मौत के पुल से गुजरने को मजबूर हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन समय रहते चेतता है या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है।

ग्राम पंचायत बदवार को नशा मुक्त बनाने की मांग, महिला सरपंच ने प्रशासन से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बदवार में बढ़ते नशे के कारोबार को लेकर महिला सरपंच और ग्रामीणों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सरपंच मुन्नी बाई कोल ने गांव को अवैध शराब एवं अन्य नशीली वस्तुओं की बिक्री से मुक्त कराने के लिए अधिकारियों से गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव हाईवे से लगा होने के कारण यहां अवैध शराब की बिक्री तेजी से बढ़ी है, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं और आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। ढाबों, दुकानों और बस्तियों में खुलेआम शराब बेची जा रही है, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। चिंता की बात यह भी है कि अब बच्चे और युवा भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। सरपंच मुन्नी बाई कोल ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित थाना और विभागीय अधिकारियों को शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग प्रशासनिक संरक्षण में अवैध शराब का कारोबार कर रहे हैं, जिससे उनके हौसले और बढ़ गए हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि गांव में सभी संदिग्ध स्थानों की जांच कर अवैध शराब और नशे के कारोबार पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। सरपंच ने कहा कि यह समस्या बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। ग्रामीणों ने भी सरपंच की इस पहल का समर्थन करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कलेक्टर रीवा से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

गुंडाराज के आरोप, भाजपा विधायक के संरक्षण का मामला - सपा का धरना

जगदीश यादव ने थाने में रिपोर्ट न दर्ज होने पर दी चेतावनी, पीड़ितों के लिए न्याय की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के थाना पनवार के सामने धरना देकर गरीब और पीड़ित लोगों के लिए न्याय की मांग की। धरना का नेतृत्व प्रदेश सचिव जगदीश सिंह यादव ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में भाजपा विधायक के संरक्षण में दलित, आदिवासी, पिछड़े और महिलाएं प्रताड़ित हो रहे हैं, और पीड़ितों की शिकायत पर थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) नहीं लिखी जाती। जगदीश यादव ने बताया कि 31 मार्च 2026 को पूर्व सरपंच राजपाल यादव और उनके दो सहयोगियों पर जानलेवा हमला किया गया था, लेकिन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इस पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 3 अप्रैल को थाना के सामने धरना दिया और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद भी पीड़ितों के कथन के अनुसार आरोपी के नाम रिपोर्ट में शामिल नहीं किए गए धरना में प्रदेश सचिव जगदीश यादव, राजमणि, प्रदेश सचिव कमलाकांत यादव, राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी, विधानसभा अध्यक्ष रामकिशोर आदिवासी, ब्लॉक अध्यक्ष सुखलाल कुशवाहा, जवाहर लाल पाल, विनोद वर्मा सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। धरने के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। इसमें राजपाल यादव पर हमला करने वालों, अतीक अहमद शिवपुर में हत्या के आरोपी, फूलन देवी वर्मा रीमारी के घर में जानलेवा हमला करने वालों और गुरु आदिवासी बढ़ाछ के घर में हमले करने वालों को गिरफ्तार करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल थी। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह और जनता आगे आंदोलन तेज करेंगे और न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे।

हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, शोभा यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

परेड ग्राउंड से निकली वाहन रैली, हजारों लोगों ने सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर बनाया रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, संकट मोचन पवन पुत्र श्री हनुमान महाराज के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम और दो-पहिया वाहन यात्रा का आयोजन किया गया। इस दिव्य आयोजन की शुरुआत रीवा शहर के परेड ग्राउंड से हुई और रैली पीटीएस चौराहा, धोबिया टंकी, हास्पीटल चौराहा, सिरमौर चौराहा, कालेज चौराहा, शिल्पी प्लाजा होते हुए पचमठा धाम में समाप्त हुई। रैली में विशाल हनुमान जी की गदा, माता अंजनी और वीर बजरंगबली की मोहक झांकी ने शहरवासियों का ध्यान खींचा। पचमठा धाम में रेखा नामदेव जी द्वारा तलवार शौर्य बाजी का अद्भुत प्रदर्शन हुआ। इसके बाद भीह र गंगा आरती और सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। भंडारा महाप्रसाद से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर समाज के प्रमुखों का सम्मान हनुमत सेवा समिति द्वारा किया गया। मुख्य रूप से साधु संत समाज से स्वामी स्वरूप दास जी, नगर निगम स्पीकर वेंकटेश पांडे जी, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता जी, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश कोटवानी, राजकुमार टिलवानी, विश्व हिन्दू परिषद के जिला कोषाध्यक्ष हरीश ढींगरा जी सहित सैकड़ों प्रतिष्ठित पुरुष और महिला सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया। हजारों लोगों ने मिलकर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर रिकॉर्ड बनाया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक भक्ति को प्रकट किया, बल्कि समाज में भाईचारे और सामूहिक सहयोग का संदेश भी दिया।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में गुरु की भूमिका में नजर आए अधिकारी, छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सरकारी स्कूलों में 4 अप्रैल का दिन सामान्य दिनों से कुछ खास और प्रेरणादायक रहा। 'स्कूल चलें हम' अभियान के तहत आयोजित चार दिवसीय प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम के जरिए स्कूलों की चौखट पर दस्तक दी। यहाँ अधिकारी किसी प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक और शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के बीच पहुंचे। नवीन शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ एक कालखंड बिताया। उन्होंने न केवल अपने जीवन के संघर्षों और अनुभवों को साझा किया, बल्कि बच्चों को यह भी सिखाया कि कैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं और उन्हें हासिल करने के लिए किन रास्तों पर चलना पड़ता है।

मुंबई जाने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन अब नियमित रूप से चलेगी, टाइमिंग भी होगी फिक्स

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुंबई जाने वाले रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब तक सप्ताह में चलने वाली रीवा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन को नियमित श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। रेलवे के इस फैसले के बाद अब ट्रेन के संचालन के लिए अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी और इसके समय में भी स्थिरता आने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, रेलवे प्रशासन ने इस स्पेशल ट्रेन को स्थायी रूप से चलाने का निर्णय लिया है। इससे पहले स्पेशल दर्जा होने के कारण ट्रेन की टाइमिंग और संचालन को लेकर यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता था। अब नियमित ट्रेन बनने से यात्रियों को समय पर सेवा मिलने की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस फैसले को बड़ी उपलब्धि बताया है। उनका कहना है कि लंबे समय से इस ट्रेन को नियमित करने की मांग की जा रही थी, जिससे रीवा से मुंबई जाने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिल सके। किराए में भी मिलेगी राहत स्पेशल ट्रेन होने के कारण अब तक यात्रियों को सामान्य ट्रेनों की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत अधिक किराया देना पड़ता था। अब इसे नियमित किए जाने के बाद किराया भी सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों के बराबर हो जाएगा, जिससे यात्रियों की जेब पर भार कम पड़ेगा रीवा से बीकानेर के लिए नई ट्रेन की तैयारी वहीं, रीवा से बीकानेर के बीच नई ट्रेन चलाने की कवायद भी तेज हो गई है। रेलवे को इस संबंध में प्रस्ताव भेजा गया है और प्रक्रिया जारी है। यदि सब कुछ तय समय पर हुआ तो जल्द ही रीवा, सतना, चित्रकूट, बांदा, आगरा, मथुरा, जयपुर और अजमेर जाने वाले यात्रियों को सीधी ट्रेन सुविधा मिल सकेगी रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है और स्वीकृति मिलते ही नई ट्रेन के संचालन की घोषणा की जाएगी। इससे क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में और अधिक सुविधा मिल सकेगी।

बीएड प्रायोगिक परीक्षा में वसूली का बवाल: 15-15 हजार की मांग, प्रपत्र फाड़े और विश्वविद्यालय की चुप्पी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीधी जिले के शिक्षा महाविद्यालय पनवार में बीएड प्रायोगिक परीक्षा के दौरान कथित अवैध वसूली का मामला गंभीर विवाद बन गया। आरोप है कि विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षकों ने छात्रों से अंकों की प्रविष्टि के बदले 15-15 हजार रुपये की मांग की, और मना करने पर प्रपत्र फाड़ दिए। इस घटना ने शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। 31 मार्च 2026 को आयोजित बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षाओं में परीक्षकों अर्धेंदु रंजन मिश्रा, डॉ. अरुण पांडेय और डॉ. शोभा रानी दुबे ने कथित रूप से पैसे की मांग की। महाविद्यालय प्रबंधन ने 7-7 हजार रुपये देने की पेशकश की, लेकिन परीक्षक अपनी मांग पर अड़े रहे। विवाद बढ़ने पर एक परीक्षक ने सभी अंक प्रपत्र फाड़ दिए और स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किया, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। प्राचार्य ने तत्काल पत्र क्रमांक 193/2026 के माध्यम से ए.पी.एस. विश्वविद्यालय को लिखित शिकायत भेजी और तीनों परीक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन अब तक पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है, न कोई जांच हुई न बयान जारी किया गया। इस घटना से सैकड़ों छात्रों के परिणाम पर असर पड़ सकता है और उनके करियर को खतरा है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या ऐसे परीक्षकों पर कार्रवाई होगी, क्या उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और छात्रों के अंकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर दिखा दिया कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो शिक्षा के मंदिर में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था बढ़ती रहेगी।

'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में गुरु की भूमिका में नजर आए अधिकारी, छात्रों को दिए सफलता के मंत्र स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रेरणादायक आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालयों में 4 अप्रैल का दिन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। 'स्कूल चलें हम' अभियान के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी विद्यार्थियों के बीच गुरु और मार्गदर्शक की भूमिका में नजर आए। कार्यक्रम के तहत अधिकारी विद्यालयों में पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों के साथ समय बिताकर अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने संघर्षों की कहानी बताते हुए बच्चों को यह समझाया कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता प्राप्त की जा सकती है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। इस दौरान अधिकारी केवल प्रशासनिक भूमिका तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने एक शिक्षक के रूप में बच्चों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और उनके मन में उठ रही जिज्ञासाओं को शांत किया। इस संवाद से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से प्रशासनिक अधिकारियों का भय दूर करना और उन्हें करियर के प्रति जागरूक करना था। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि वे अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा को सबसे मजबूत आधार बनाएं। प्रवेशोत्सव के इस समापन कार्यक्रम ने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के अनुभवों से सीखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अधिकारियों के प्रेरणादायक उद्बोधन से विद्यार्थियों में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों को प्रेरित किया, बल्कि शिक्षा के महत्व को भी उजागर किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से हर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

सिरमौर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधि देंगे ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला के जवा तहसील आगमन के अवसर पर सिरमौर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधि ज्ञापन देंगे। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जवा उप स्वास्थ्य केंद्र में नियमित डॉक्टरों की अनुपस्थिति, कोनी, चौखंडी, जनकहाई, डभौरा, पटेहरा, कंचनपुर सहित कई अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग शामिल है। इसके अलावा जवा बाजार में नालियों की अधूरी सफाई और 12 माह पानी भरे रहने की समस्या, तराई क्षेत्र के सभी थानों में पुलिस बल की कमी, जनपद मुख्यालय के खेल मैदान की साफ-सफाई, अतरैला बाजार में जलभराव और कीचड़ की समस्या, तथा सभी शासकीय विद्यालयों में पढ़ाई के स्तर सुधार को ज्ञापन में शामिल किया जाएगा ज्ञापन देने के दौरान कमलेश्वर सिंह पटेल, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जवा, धनेन्द्र द्विवेदी, जिला अध्यक्ष वन एवं पर्यावरण रीवा, कांग्रेस के जिला सचिव तरुणेन्द्र द्विवेदी और अन्य नेता मौजूद रहेंगे तरुणेंद्र द्विवेदी ने बताया कि सभी कांग्रेस नेता और संगठन के पदाधिकारी सुबह 11 बजे इटमा मोड़ पर समय पर पहुंचकर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।